राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 07, अंक 164 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये रायपुर, मंगलवार 19 अगस्त 2025 www.samaydarshan.in

भिलाईवासियों को मिली विकास की सौगात

मुख्यमंत्री साय ने भिलाई नगर निगम में 241 करोड़ 50 लाख रुपये के 112 विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

दुर्ग/समय दर्शन। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज नगर पालिक निगम भिलाई को एक बड़ी विकास सौगात दी। उन्होंने 241 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत के 112 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने भिलाई नगर निगम के लिए 20 करोड़ रुपये की लागत से नए कार्यालय भवन निर्माण की भी घोषणा की। 1875.15 लाख रूपए की लागत के लोकार्पित 46 कार्यों में जोन-01 नेहरू नगर में 592.62 लाख रूपए लागत के 20 विभिन्न निर्माण कार्य, जोन-02 वैशाली नगर में 305.75 लाख रूपए लागत के 10 निर्माण कार्य, जोन क्रमांक 03 मदर टेरेसा नगर में 101.50 लाख रूपए लागत के 07 निर्माण कार्य, जोन क्रमांक 5 में 149.99 लाख रुपए लागत के एक कार्य तथा परियोजना शाखा के अंतर्गत 725.29 लाख रूपए लागत के 08 निर्माण कार्य शामिल है। इसी प्रकार भूमिपूजन के अंतर्गत 24150.39 लाख रूपए की लागत के 66 कार्य, जिसमें जोन-01 नेहरू नगर में 2285.99 लाख रूपए लागत के 25 विभिन्न कार्य, जोन-02 वैशाली नगर में 991.96 लाख रूपए लागत के 20 कार्य, जोन कमांक 03 मदर टेरेसा नगर में 280.12 लाख रूपए लागत के 5 कार्य, जोन क्रमांक 04 शिवाजी नगर में 227.34 लाख रूपए लागत के 04 कार्य, जोन क्रमांक 05 सेक्टर 06 में 66.24 लाख रूपए लागत के 04 कार्य, परियोजना शाखा अंतर्गत 1281.74 लाख रूपए लागत के 5 कार्य, 60 लाख रूपए लागत के उद्यान विभाग का एक कार्य व 18957 लाख रूपए लागत के जलकार्य विभाग के एक कार्य शामिल है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए वादे को हमारी सरकार 'मोदी की गारंटी' को पूरी प्रतिबद्धता के साथ पूर्ण किया जा रहा है। हमारी सरकार डेढ़ वर्षों से लगातार विकास की ओर अग्रसर है। तीन करोड़ जनता से किए गए वादों को हमारी सरकार पूरा कर रही है। हमारी सरकार ने बीते 20 महीनों में अधिकांश गारंटी को पूरा किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों के आर्थिक विकास के लिए 21 क्विंटल धान पर 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से भुगतान सुनिश्चित किया गया। महिलाओं को 'महतारी वंदन योजना' के तहत प्रतिमाह 1000 की आर्थिक सहायता राशि दी जा रही है, इस योजना के तहत 70 लाख से अधिक महिलाएं लाभान्वित हो रही हैं। भूमिहीन कृषि मजदूरों के लिए राज्य सरकार ने 'दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर योजना' के तहत सालाना 10 हजार की आर्थिक सहायता राशि दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'रामलला दर्शन योजना' के तहत अब तक 22 हजार से अधिक श्रद्धालु अयोध्या यात्रा कर चुके हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य की 1460 ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सेवा केंद्र शुरू हो चुके हैं, जहां ग्रामीणों को दस्तावेज, प्रमाण पत्र और बैंकिंग सुविधाएं मिल रही हैं। अगले छह महीनों में 5 हजार और पंचायतों को इस योजना से जोड़ा जाएगा। 24 अप्रैल 2026, पंचायती राज दिवस पर छत्तीसगढ़ की सभी ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सेवा केंद्र प्रारंभ किए जाएंगे।

रामलला दर्शन योजना के अंतर्गत अब तक 22 हजार से अधिक लोगों को लाभ मिल चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नगरीय निकायों के चुनाव में जारी अटल विश्वास पत्र के सभी वादों को भी एक-एक कर पूरा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नगरीय निकायों के विकास हेतु अब तक लगभग 8 करोड़ रुपये की राशि दी जा चुकी है, जिससे जनता का सरकार पर विश्वास और मजबूत हुआ है।

शुभांशु शुक्ला ने पीएम मोदी से की मुलाकात अंतरिक्ष यात्रा के बारे में दी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) में जाकर इतिहास रचने वाले ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने सोमवार शाम को पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी को अंतरिक्ष यात्रा के बारे में जानकारी दी। पीएम मोदी ने गले लगाकर शुभांशु शुक्ला का हौसला बढ़ाया। साथ ही उनकी उपलब्धि की सराहना की। इस दौरान शुभांशु शुक्ला ने पीएम मोदी को अंतरिक्ष यात्रा और उनके अनुभव के बारे में बताया। उन्होंने पीएम मोदी को अपने प्रयोगों से भी अवगत कराया। शुभांशु शुक्ला रविवार सुबह भारत लौटे थे। वतन वापसी पर उनका दिल्ली एयरपोर्ट पर ढोल नगाड़ों के साथ जोरदार स्वागत हुआ। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और इसरो प्रमुख वी नारायणन समेत बड़ी संख्या में लोग शुभांशु का स्वागत करने पहुंचे थे। शुभांशु की पत्नी कामना और बेटा कियाश भी उनका स्वागत करने के लिए एयरपोर्ट पर मौजूद थे। शुभांशु की करीब एक साल बाद वतन वापसी हुई है। आईएसएस जाने के लिए उन्होंने लगभग एक साल तक अमेरिका में प्रशिक्षण लिया। शुभांशु के साथ ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर भी भारत लौटे, जिन्हें एक्सिओम-4 मिशन के लिए बैकअप अंतरिक्ष यात्री के तौर पर चुना गया था। शुभांशु के सोमवार को प्रधानमंत्री मोदी से मिलने और फिर अपने गृहनगर लखनऊ जाने की उम्मीद है। इसके बाद वह 22-23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के समारोह में भाग लेने के लिए राजधानी लौटेंगे।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना ने किया पोस्टर विमोचन

होमन सिंह ठाकुर समय दर्शन नंदिनी अहिवारा। आज अहिवारा में छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना टीम द्वारा आगामी अहिवारा विधानसभा के सबसे बड़े आयोजन पोरा तिहार के उपलक्ष्य मे आयोजीत पोरा रैली के पोस्टर का बड़े ही उत्साह और जोश के साथ विमोचन किया गया। नगर स्तर में होने वाले आयोजन का ये दूसरा साल है 7 इस अवसर पर अहिवारा क्षेत्र के सभी पदाधिकारी और सेनानीगण उपस्थित रहे और छत्तीसगढ़ी अस्मिता व परंपरा को संजोने का और आगे बढाने का संकल्प लिया।

पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में मौजूद पदाधिकारी और सेनानियों ने कहा कि - पोरा रैली सिर्फ एक परंपरा नहीं बल्कि छत्तीसगढ़िया संस्कृति को बचाने का और उसे आगे बढ़ाने का महाप्रयास है7 जिसे राष्ट्रीय राजनीति पार्टियो द्वारा मिटाने का षड्यंत्र किया जा रहा है।छत्तीसगढिया क्रांति सेना इस तरह के सभी षड्यंत्रों को विफ़ल करने के लिए कृत संकल्पित है7 इस रैली में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर हमें अपनी धरोहर को आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाना है। इस दौरान जोहार छत्तीसगढ़,जय महतारी के नारों से पूरा माहौल गूंज उठा और सेनानियों ने छत्तीसगढ़िया हीत के लिए समाज में जागरूकता फैलाने का संदेश भी दिया। पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में जिला पदाधिकारी कौशल साहू, धर्मेंद्र साहू, माधव साहू नगर पदाधिकारी आशुतोष साहू, मुकेश साहू, होमन सिंह ठाकुर कमलेश मार्कंडेय,भूषण साहू, पंकज लहरी, बसंत साहू,ललित वर्मा, सेनानी गण प्रकाश, हितेश यादव, नोहर यादव,छोटू यादव कैलाश साहू उपस्थित रहे।

गौ सेवा संकल्प अभियान: ग्राम पंचायतों में गौ चौपाल का हो रहा आयोजन

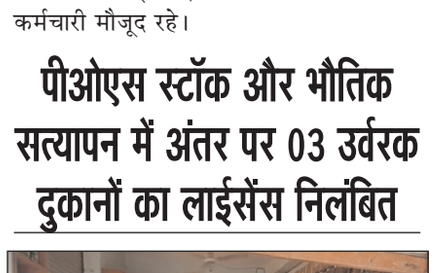

मुंगेली (समय दर्शन) सड़क दुर्घटनाओं में बढ़ती जनहानि और पशुहानि की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार एवं जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय के मार्गदर्शन में जिले में गौ सेवा संकल्प अभियान की शुरुआत की गई है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य बेसहारा एवं सड़कों पर छोड़े गए मवेशियों के बेहतर प्रबंधन, सेवा और संरक्षण को सुदृढ़ करना है। अभियान अंतर्गत गायों के प्रति सेवा संरक्षण और सहयोग को ग्राम स्तर पर पहुंचने के लिए चौपाल के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

जिले के सभी ग्राम पंचायतों में ग्राम चौपाल का आयोजन कर गायों का प्रति सेवा, संरक्षण एवं सहयोग को प्रोत्साहित किया जा रहा है। उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. आर.एम. त्रिपाठी ने बताया कि मुंगेली विकासखण्ड के ग्राम करूपान में गौ सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत गौ चौपाल का आयोजन किया गया। इस दौरान 09 लोगों को गौ सेवा मित्र का फॉर्म भराया गया और गौ सेवा तथा संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान संबंधित अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

पीओएस स्टॉक और भौतिक सत्यापन में अंतर पर 03 उर्वरक दुकानों का लाईसेंस निलंबित

मुंगेली(समय दर्शन) कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार एवं उपसंचालक कृषि एम.आर. तिग्गा के मार्गदर्शन में जिला मुख्यालय स्थित विभिन्न उर्वरक दुकानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में मेसर्स किसान एजेंसी पंडरिया रोड मुंगेली, मेसर्स संकटमोचन खाद भंडार मुंगेली तथा मेसर्स जायसवाल कृषि केंद्र में लाईसेंस, स्टॉक एवं मूल्य सूची प्रदर्शित नहीं करने, स्कंध तथा वितरण पंजी, पीओएस स्टॉक व भौतिक सत्यापन में अंतर पाए जाने पर उर्वरक गुण नियंत्रण आदेश के तहत अनुज्ञा प्रमाण पत्र को 15 दिवस के लिए निलंबित करने की कार्यवाही की गई। इस दौरान संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जिला महासमुंद में नशा मुक्ति जागरूकता

अभय धृतलहरे/ महासमुन्द (समय दर्शन)। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जिला महासमुंद में नशे के विरुद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है,तो दूसरी ओर नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है । शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रो में महासमुंद पुलिस द्वारा लगातार चलाया जा रहा है नशा मुक्ति जागरूकता अभियान दिनांक 15/16/17 अगस्त को व्यापक रूप से नशा मुक्त भारत जनजागरूकता अभियान चलाया गया।

नशा मुक्ति हेतु नेशनल नशा मुक्ति हेल्प लाईन नंबर 14446 एवं मानस हेल्प लाईन नंबर 1933 पर शिकायत दर्ज कराने के संबंध में टोल फ्री नंबरों का किया गया प्रचार मादक पदार्थों के खतरों एवं इस पर नियंत्रण हेतु जिला महासमुंद क्षेत्रांतर्गत स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पुलिस चौकी भंवरपुर द्वारा मादक पदार्थों के खतरो एवं इस पर नियंत्रण हेतु भंवरपुर अंतर्गत नवीन शास.महाविद्यालय भंवरपुर, शास.कन्या उच्च.मध्यमिक विद्यालय भंवरपुर, शास.बालक उच्च.मध्यमिक विद्यालय भंवरपुर, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय भंवरपुर, ग्राम छिपिया पारा थाना महासमुंद, ग्राम बोरियाझर साप्ताहिक बाजार थाना महासमुंद, ग्राम टप्पा सेवया थाना बलौदा, ग्राम पंचायत भाटापारा तुमगांव,

ग्राम सलडीह थाना संकरा, ग्राम अमलडीह थाना बलौदा, ग्राम भालुचुवा थाना कोमाखान, ग्राम भुरकोनी चौकी बुंदेली , ग्राम पंचायत भवरचूवा, ग्राम गुडेलाभाठा मेला थाना पटेवा,थाना बसना क्षेत्र के

शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला,शासकीय आत्मानंद स्कूल बसना,जान्सन मेमोरियल स्कूल जगदीशपुर, थाना पिथौरा क्षेत्र सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पिथौरा ,बस स्टेण्ड पिथौरा,थाना बागबाहरा क्षेत्रांतर्गत विभिन्न वार्ड, सार्वजनिक स्थानों, टैक्सी स्टैंड, आस पास के ग्राम दारगांव, पतेरापाली, हरनाददार , थाना सरायपाली ग्राम झिलमिल मिनी स्टेडियम महासमुंद में स्वतंत्रता दिवस समारोह पर नशा मुक्ति बैनर पोस्टर लगाकर उपस्थित गणमान्य, शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं, शहरी एवं ग्रामीण वासियों को नशा मुक्ति अभियान के तहत नशे से होने वाले दुष्प्रभाव के संबंध में जानकारी दिया गया, एवं शपथ दिलाया गया। सरायपाली, बसना,पिथौरा, थाना के अभिनव पहल से लोगों मे जागरूकता अभियान का असर देखने को मिल रहा है।

मादक पदार्थों के दुष्प्रभाव के संबंध में लोगो को जागरूक करने के लिये बसना सरायपाली क्षेत्र में मानव श्रृंखला बनवाया गया है एवं स्कूलो में सांस्कृतिक कार्यक्रम व खेलकूद प्रतियोगिता आयोजन करके नशे के दुष्प्रभाव के संबंध में जागरूक किया गया है ।

स्कूलो में नशे के दुष्प्रभाव के संबंध में पोस्टर लगाकर लोगों को जागरूक किया गया है। स्कूलो में सभी बालक/बालिकाओ को नशा से दूर रहने हेतु नशे को ना, जिंदगी को हां की शपथ दिलाई गई है। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफलडाई में शामिल होने के संबंध में हेल्पलाईन नंबर 1933 पर काल करने की अपील की गई है। क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई

थाना पिथौरा क्षेत्रांतर्गत सरस्वती शिशुमंदिर स्कूल पिथौरा में जन्माष्टमी रैली के अवसर पर वाहन में नशा मुक्ति बैनर बांध कर जगह जगह दही हांडी फोड़ प्रतियोगिता मे ड्रग/नशा जागरूकता अभियान थाना पिथौरा पुलिस द्वारा चलाया गया । जिला महासमुंद मे पुलिस द्वारा इसी क्रम में महासमुंद पुलिस द्वारा नशा मुक्त भारत अंतर्गत विभिन्न स्थानों में नशामुक्ति जनजागरूकता कार्यक्रम का महासमुंद पुलिस फेसबुक पेज के माध्यम से प्रचार प्रसार कर नशामुक्ति के सम्बन्ध में, नशे के दुष्प्रभाव, नशा के सामाजिक, आर्थिक प्रभाव के बारे में बताया गया। अभियान के दौरान लगभग 30 हजार से 35 हजार लोगों को जागरूक किया गया ।

डभराखुर्द में प्रधानपाठक द्वारा बच्चों से स्कूल की मरम्मत के लिए सीमेंट-गिट्टी मिक्सिंग का काम करते विडियो सोशल मीडिया पर वायरल

पालकों में आक्रोश, प्रधानपाठक को हटाने की मांग

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। बम्हनीडीह विकासखंड के प्राथमिक शाला डभराखुर्द से एक चौंकाने वाली तस्वीर सामने आई है, जहां स्कूल की मरम्मत कि जिम्मेदारी बच्चों के कंधों पर डाल दी गई है. सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में देखा जा सकता है कि प्रधानपाठक द्वारा बच्चों से सीमेंट-गिट्टी का मिक्सिंग का काम कराया जा रहा है। हालंकि हम वायरल वीडियो कि पुष्टि नहीं करते।

बम्हनीडीह विकासखंड के प्राथमिक शाला डभराखुर्द में प्रधानपाठक पितांबर कुर्रे का स्कुली बच्चों से सीमेंट मिक्सिंग का काम करते विडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।विडियो में देखा जा सकता है कि बच्चे फावड़े से सीमेंट-गिट्टी मिक्सिंग कर रहे हैं।

विद्यालय में बच्चों के हाथों में कॉपी कलम की बजाय प्रधानपाठक द्वारा फावड़ा पकड़ा दिया गया है। बच्चों से मजदूरी कराई जा रही है। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में बच्चे तपती धूप में स्कूल के बच्चे फावड़ा से सीमेंट-गिट्टी मिक्सिंग कर रहे हैं

वायरल वीडियो के बाद यह काम बच्चों की पढ़ाई और उनके भविष्य से खिलवाड़ बताया जा रहा है।वही पूरे मामले को लेकर प्रभारी बीईओ रत्ना थवाईत से संपर्क करने कि कोशिश कि गई लेकिन उनके द्वारा फोन रिसीव नहीं किया गया। विडियो वायरल होने के बाद पालकों में आक्रोश, प्रधानपाठक को हटाने कि मांग।

वही विघालय में बच्चों से काम कराने विडियो वायरल होने के बाद पालकों ने आक्रोश व्यक्त किया है,वहीं प्रधानपाठक पितांबर कुर्रे को हटाने कि मांग कि जा रही है।

> मामले को जाने दिजिए सर
> **पिताम्बर कुर्रे**
> **प्रधानपाठक (शास प्राथमिक शाला डभराखुर्द)**

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने अर्पित की श्रद्धांजलि

मुंगेली(समय दर्शन) भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री पं. अटल बिहारी वाजपेयी जी की पुण्यतिथि के अवसर पर जिला भाजपा द्वारा उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर विधायक एवं पूर्व मंत्री पुन्नूलाल मोहले सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी स्टेडियम स्थित अटल परिसर में हुई, जहाँ पं. अटल बिहारी वाजपेयी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। इसके पश्चात अटल परिसर जिला भाजपा कार्यालय, मुंगेली में भी वाजपेयी जी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई।विधायक पुन्नूलाल मोहले ने इस अवसर पर वाजपेयी जी के देशहित में दिए गए योगदान, उनके ओजस्वी नेतृत्व,

राजनीतिक दूरदृष्टि एवं छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने उपस्थित नवयुवक कार्यकर्ताओं को वाजपेयी जी के विचारों से प्रेरणा लेने की अपील की।कार्यक्रम में विधायक मोहले के साथ भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गिरीश शुक्ला, जिला भाजपा अध्यक्ष दीनानाथ केशरवानी, पूर्व जिलाध्यक्ष शैलेश पाठक, वरिष्ठ भाजपा नेता द्वारिका जायसवाल, विनय पाण्डेय, सुनील पाठक, सौरभ बाजपेयी, जयप्रकाश मिश्रा, कोटूमल दादवानी, मिट्ठूलाल यादव, गणेश बाजपेयी, प्रवीण सोनी, उमाशंकर साहू, राजीव श्रीवास, नितेश भारद्वाज, अमितेष आर्य, जीवन पटेल, गोकुलेश सिंह, नंदकुमार सिंह, डोमन दीक्षित, शैलेन्द्र तिवारी, राघवेंद्र सिंह बब्बू, विजय यादव, सत्तू सिंह, प्रवीण जैन, अनूप जैन सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

छाटा में गुरु दर्शन सतनाम संदेश यात्रा का किया स्वागत, प्रसादी के रूप में खीर का वितरण किया

पाटन (समय दर्शन)। सतनामी समाज पाटन तहसील द्वारा गुरु बालक दास की जयंती के अवसर पर गुरु दर्शन और सतनाम संदेश यात्रा निकाली गई। भिलाई से निकली इस यात्रा का पाटन तक जगह जगह स्वागत किया गया। ग्राम छाटा में कांग्रेस नेता अभिषेक गायकवाड के नेतृत्व में सतनाम संदेश यात्रा का स्वागत किया गया। इस दौरान खीर का भी वितरण किया गया। इस अवसर पर अभिषेक गायकवाड, जनपद सदस्य आनंद बघेल, सरपंच कमलेश चेलक, राजेंद्र देशलहरे, राजू

वर्मा, केशरी चेलक, ऋतिक चेलक सहित अन्य मौजूद रहे।

स्वतंत्रता दिवस का हर्षोल्लास, शासकीय स्कूल कोडेनार में ध्वजारोहण और मेधावी छात्रों का सम्मान

कोडेनार स्कूल में 15 अगस्त की धूम, प्रभात फेरी और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बांधा समां

किरंदुल (समय दर्शन)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कोडेनार क्रमांक 02 में 15 अगस्त 2025 को स्वतंत्रता दिवस उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत शिक्षकों और छात्रों द्वारा निकाली गई प्रभात फेरी से हुई। इसके बाद मुख्य अतिथि चंद्रभान चौधरी, आसिफ सिद्धिकी और कोडेनार सरपंच मीना मंडावी ने ध्वजारोहण किया। राष्ट्रगान के साथ तिरंगे को सम्मानपूर्वक सलामी दी गई। कार्यक्रम में सत्र 2024-25 की बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-

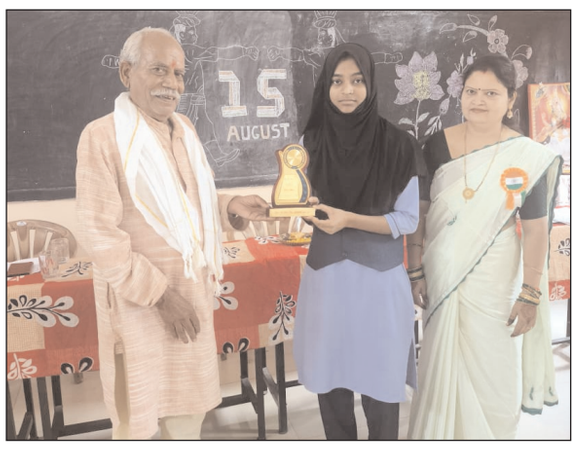

छात्राओं को सम्मानित किया गया। कक्षा 12वीं की टॉपर प्रियंका साव, द्वितीय लालिमा निर्मलकर और तृतीय गीता कुंजाम को तथा कक्षा 10वीं की प्रथम रफिका हाशमी, द्वितीय अंजली सोनानी और तृतीय ममता पान को मुख्य अतिथियों और प्राचार्या आभा सिंह चौहान द्वारा पुरस्कृत किया गया। छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिसमें सभी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। समस्त शिक्षकगण और स्कूल स्टाफने भी कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

कुरचुंडी सहकारी समिति से किसानों को नहीं मिल रहा खाद

शासन और सहकारिता विभाग की लापरवाही से किसान बेहाल, बारिश की कमी के बीच खाद की संकट से जूझता किसान

बसना (समय दर्शन)। बसना क्षेत्र में अन्नदाता खाद नही मिलने की परेशानी से जूझ रहे हैं। खेती-बाड़ी के इस सीजन में जब किसानों को सबसे अधिक खाद की जरूरत है, उसी समय शासन और सहकारिता विभाग की लापरवाही से बसना फुलझर क्षेत्र के किसानों को भारी संकट का सामना करना पड़ रहा है। शासन द्वारा निर्धारित दर 266 रुपये प्रति बोरी यूरिया मिलना चाहिए , लेकिन खाद की उपलब्धता न होने के कारण किसान मजबूरी में खुले बाजार से 600 से 800 रुपये तक की दर पर यूरिया खरीदने को विवश हैं।

कुरचुंडी समिति पर लग रहे गंभीर आरोप : प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति कुरचुंडी (पंजीयन क्रमांक 856) के अनुसार समिति द्वारा अब तक 516 प्रतिशत सदस्यों को नगद ऋण वितरण किया जा चुका है। इसके बावजूद केवल लगभग 200 किसानों को ही खाद उपलब्ध हो पाया है। किसानों का आरोप

है कि समितियों में खाद वितरण पर 20₹ तक ब्याज वसूला गया है।

वर्तमान में किसानों की ओर से 3000 बोरी यूरिया और 2000 बोरी डीएपी की मांग दर्ज की गई है। किसानों ने बताया कि डीडी देने के बाद भी आज तक खाद समितियों तक नहीं पहुंचा है,यहाँ पदस्थ कर्मचारी की उदासीनता से समय पर किसानों को उनके हिस्से की खाद नहीं मिल रहे है, जिससे किसान बेहद परेशान हैं।

क्षेत्र में किसानों को खाद की संकट : किसानों ने बताया कि 265-6 रूपये मे मिलने वाला यूरिया की बोरी 700ङ्क800 में खरीदने को मजबूर हैं ?

सहकारिता विभाग की लापरवाही पर फूटा गुस्सा : बारिश की कमी से जूझ रहे किसानों पर अब खाद संकट ने दोहरी मार डाल दी है। शासन द्वारा निर्धारित 265 रुपये की यूरिया समितियों में उपलब्ध नहीं होने से किसान खुले बाजार से 600 से 800 रुपये प्रति बोरी में खाद खरीदने को मजबूर हैं। सहकारिता विभाग की घोर लापरवाही से किसान करो या मरो जैसी स्थिति में पहुंच गए हैं। खाद की किल्लत को लेकर किसान खुलकर अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे हैं।

स्थानीय किसान रामलाल साहू ने कहा कि शासन की घोर लापरवाही है। मजबूरी में हमें 265 रुपये वाली यूरिया 700 से 800 रुपये में खरीदनी पड़ रही है। अगर समय पर खाद नहीं मिली तो फसल बर्बाद हो जाएगी।

किसान सुरेश पटेल का कहना है - एक तरफ बारिश की कमी से खेती प्रभावित हो रही है, वहीं दूसरी तरफ खाद संकट ने हमारी कमर तोड़ दी है। शासन किसानों को 'करो या मरो' की स्थिति में लाकर खडे कर दिया है।

आर्थिक संकट मार झेल रहे किसान : बारिश की कमी और खाद संकट ने मिलकर किसानों के लिए दोहरी मार खड़ी कर दी है। एक ओर फसल सूखने का खतरा है, दूसरी ओर महंगे खाद ने किसानों की जेब पर बोझ डाल दिया है। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि समय पर खाद उपलब्ध नहीं हुई तो इस बार क्षेत्र की पैदावार पर गहरा असर पड़ सकता है।

किसानों ने शासन और सहकारिता विभाग से तत्काल प्रभावी कदम उठाने, पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराने और बाजार में काला बाजारी रोकने की मांग की है।

प्रदेश के 6 जिलों में पायलट प्रोजेक्ट, रायगढ़ बना उत्पादन शुरू करने वाला पहला जिला

रायगढ़ जिले में महिला स्व सहायता समूहों ने शुरू किया 'रेडी-टू-ईट' का उत्पादन

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को मूर्त रूप देते हुए महिला स्व-सहायता समूहों को पूरक पोषण आहार रेडी-टू-ईट निर्माण का कार्य पुनः सौंपा है। इस महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत रायगढ़ जिले से हुई है। हाल ही में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने रायगढ़ की 10 महिला स्व-सहायता समूहों को अनुबंध पत्र प्रदान किए थे। इसके बाद मशीन इंस्टॉलेशन का कार्य तेजी से किया गया और अब रायगढ़ जिले के ग्राम पंचायत कोतरलिया से रेडी-टू-ईट उत्पादन का शुभारंभ हो चुका है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह पहल महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के साथ ही आंगनबाड़ी के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण पौष्टिक आहार उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि देशभर में 3 करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा गया है और छत्तीसगढ़ इस दिशा में तेज गति से कार्य कर रहा है। रायगढ़ इस अभियान में अग्रणी जिला बना है।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने ग्राम कोतरलिया में रेडी-टू-ईट निर्माण इकाई का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने स्वयं मशीन चलाकर निर्माण प्रक्रिया का निरीक्षण किया और महिलाओं को गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए। वित्त मंत्री ने कहा कि रायगढ़ से प्रारंभ हुई यह पहल शीघ्र ही प्रदेश के सभी जिलों में लागू होगी और यह मॉडल पूरे प्रदेश के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण बनेगा।

उल्लेखनीय है कि रायगढ़ जिले में कुल 2709 आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं। इन सभी केंद्रों के लिए 10 महिला स्व-सहायता समूहों का चयन किया गया है। इन समूहों को प्रधानमंत्री फॉर्मेलाइजेशन ऑफ माइक्रो फूड प्रोसेसिंग एंटरप्राइज़ (क्कस्न्नरुस्ध) योजना के अंतर्गत पूंजीगत सब्सिडी भी प्रदान की जा रही है। रायगढ़ जिले की परियोजनाओं—रायगढ़ शहरी, रायगढ़ ग्रामीण, पुसौर, खरसिया, घरघोड़ा, तमनार, लैलूंगा, मुकड़ेगा, धरमजयगढ़ एवं कापू के अंतर्गत चयनित समूह जल्द ही रेडी-टू-ईट उत्पादन प्रारंभ करेंगे। फिलहाल इसकी शुरुआत कोतरलिया से हो चुकी है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण और कुपोषण मुक्ति के इस मिशन को प्रथम चरण में प्रदेश के 6 जिलों—बस्तर, दंतेवाड़ा, बलौदाबाजार, कोरबा, रायगढ़ एवं सूरजपुर में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया जा रहा है। वहीं रायगढ़ प्रदेश का पहला जिला बन गया है, जहां महिला समूहों ने रेडी-टू-ईट उत्पादन प्रारंभ किया है। यह पहल महिलाओं की आर्थिक समृद्धि और बच्चों के स्वास्थ्य—दोनों को नई दिशा प्रदान करेगी।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की कार्यकारिणी समिति की बैठक में लिए गए कई महत्वपूर्ण निर्णय

रायपुर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) अंतर्गत राज्य स्वास्थ्य समिति की कार्यकारिणी समिति की बैठक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सचिव श्री अमित कटारिया की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

बैठक में छत्तीसगढ़ प्रदेश एनएचएम कर्मचारी संघ की ओर से प्रस्तुत मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई। विचार-विमर्श के उपरांत समिति ने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये।

बैठक में सर्वप्रथम वार्षिक कार्य मूल्यांकन (सीआर) व्यवस्था में पारदर्शिता लाने पर सहमति बनी। अब राज्य और जिला स्तर पर ऐसे पदों के लिए, जिनके स्वीकारकर्ता अधिकारी मिशन संचालक होंगे, अपील सुनवाई का अधिकार स्वास्थ्य विभाग के भारसाधक सचिव को मिलेगा। वहीं जिला और विकासखंड स्तर पर, जहां स्वीकारकर्ता अधिकारी कलेक्टर अथवा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी होंगे, वहां अपील मिशन संचालक के समक्ष प्रस्तुत की जा सकेगी। अपीलीय अधिकारी को प्रतिकूल टिप्पणी अथवा सेवा समाप्ति संबंधी आदेश को मान्य अथवा अमान्य करने का अधिकार दिया गया है।

इसके अलावा, मेडिकल अवकाश सुविधा के अंतर्गत दुर्घटना या गंभीर बीमारी की स्थिति में 30 दिन का सवैतनिक अवकाश देने का निर्णय लिया गया।

27 प्रतिशत वेतन वृद्धि के विषय पर चर्चा करते हुए समिति ने मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप जुलाई 2023 की स्थिति में कार्यरत संविदा कर्मचारियों को माह जुलाई 2023 की स्थिति में कार्यरत कर्मचारियों वित्तीय वर्ष 2023-24 में 1 जुलाई 2023 से 31 मार्च 2024 तक तथा वित्तीय वर्ष 2024-25 में 5 प्रतिशत अतिरिक्त वेतन वृद्धि का लाभ दिये जाने पर समिति द्वारा सैद्धांतिक सहमति दी गई तथा वित्त विभाग, छत्तीसगढ़ शासन से सहमति उपरांत वेतन वृद्धि प्रदान किये जाने का निर्णय लिया गया है।

बैठक में स्थानांतरण नीति एवं मानव संसाधन नीति में आंशिक संशोधन करने का भी निर्णय लिया गया। इसके लिए राज्य स्तरीय समिति का गठन होगा, जो अन्य विभागों की नीतियों का अध्ययन कर नियमसंगत एवं तर्कसंगत प्रस्ताव प्रस्तुत करेगी।

साथ ही, कर्मचारियों को चिकित्सा बीमा सुविधा के रूप में न्यूनतम 10 लाख रुपये तक की कैशलेस बीमा कवरेज उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया। यह लाभ प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत राज्य नोडल एजेंसी के माध्यम से दिया जाएगा।

महादेव घाट में बड़ा हादसा: खारुन नदी में गिरा तेज रफ्तार ट्रक...

रायपुर। राजधानी से लगे महादेव घाट में रविवार सुबह बड़ा हादसा होते-होते टल गया। अमलेश्वर से रायपुर की ओर आ रहा एक तेज रफ्तार हाइवा ट्रक अनियंत्रित होकर सीधे खारून नदी में जा गिरा। गनीमत रही कि इस दुर्घटना में किसी की जान नहीं गई।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि अनियंत्रित ट्रक ने नदी में गिरने से पहले घाट के पास एक पान ठेले को जोरदार टक्कर मारी। इस दौरान मौके पर मौजूद लोग समय रहते हट गए और बाल-बाल बच गए। वहीं, चालक भी किसी तरह बाहर निकलकर सुरक्षित बच गया।

मिली जानकारी के अनुसार हादसे के समय ट्रक चालक नशे की हालत में था और उसने वाहन से नियंत्रण खो दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर ट्रक की दिशा थोड़ी भी बदल जाती, तो कई लोग इसकी चपेट में आ सकते थे और बड़ा हादसा हो सकता था।

घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने भारी वाहनों पर नियंत्रण और नशे में वाहन चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान शुरू किया। फिलहाल क्रेन की मदद से ट्रक को बाहर निकालने का प्रयास जारी है।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर रायपुर जिले में किया जा रहा डिजिटल क्रॉप सर्वे

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर रायपुर जिले में डिजिटलक्रॉप सर्वे किया जा रहा है। 15 अगस्त से शुरू हुआ यह सर्वे 30 सितम्बर तक चलेगा। डिजिटल का सर्वे का मुख्य उद्देश्य किसानों की वास्तविक फसल स्थिति का आकलन कर उन्हें राज्य एवं केंद्र शासन की योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाना है। इसके अलावा डिजिटल क्रॉप सर्वे किसानों की समृद्धि और पारदर्शिता की दिशा में एक बड़ा कदम है। इससे खेती को नई तकनीक से जोड़कर किसानों की आय बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त होगा।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर अपर कलेक्टर सुश्री नम्रता जैन ने मोहंदी, अपर कलेक्टर राठौर ने मेहरसखा में, इसी प्रकार अपर कलेक्टर श्री नवीन ठाकुर ने मंगसा, एसडीएम नंदकिशोर चौबे ने ग्राम नकटी में, एसडीएम रवि सिंह ने छाटा, एसडीएम आशुतोष देवांगन ने ग्राम अडसेना, अभिलाष पैकरा ने छतौना में डिजिटल फसल सर्वे का निरीक्षण किया। इसी प्रकार तहसीलदारों ने अपने प्रभार क्षेत्र के ग्रामों का निरीक्षण किया।

उल्लेखनीय है कि डिजिटल क्रॉप सर्वे फिल्ड स्तर पर सर्वेयर के माध्यम से किया जा रहा है जिसमें सर्वेयर को स्वयं खेत में जाकर वहां की स्थिति और फसल का विवरण एग्रीटेक एप्प में दर्ज करना होता है। साथ में फ़ोटो अपलोड करना होता है जिसके सत्यापन बाद में पटवारी एवं वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा किया जाएगा इससे फसल का वास्तविक मूल्यांकन किया जा सकेगा और जमीन की जो परिसम्मति है उनके संबंध में सही जानकारी प्राप्त होगी।

डिजिटल क्रॉप सर्वे से किसानों को कई प्रकार के लाभ प्राप्त होंगे। फसल बीमा योजना एवं क्षति आकलन पारदर्शी और वैज्ञानिक तरीके से किया जा सकेगा। पात्र किसानों को कृषि योजनाओं का लाभ शीघ्रता से मिल सकेगा। इस सर्वे से फसल उत्पादन का अत्याधुनिक डेटा तैयार होगा, जिससे आगामी धान खरीदी व्यवस्था एवं कृषि नीति और अधिक प्रभावी बनाई जा सकेगी। साथ ही किसानों को समय पर तकनीकी मार्गदर्शन एवं आर्थिक सहयोग भी उपलब्ध हो सकेगा।

वैराग्य और अभ्यास के द्वारा जीता जा सकता है मन को

गृहस्थ होकर भी वैरागी होना एवं मन पर विजय पाना श्रीकृष्ण से सीखो : मनीष सागरजी महाराज

रायपुर। परम पूज्य उपाध्याय भगवंत युवा मनीषी श्री मनीष सागरजी महाराज ने आज धर्मसभा में श्रीकृष्ण के जीवन से श्रावक और श्राविकाओं को स्वयं पर नियंत्रण करने की सीख दी। टैगोर नगर स्थित पटवा भवन में जारी चातुर्मासिक प्रवचनमाला में जन्माष्टमी के अवसर पर उपाध्याय भगवंत ने कहा कि श्रीकृष्ण ने गृहस्थ जीवन की साधना जगत को दिखाई। 32 हजार रानियों के बीच में रहकर गृहस्थ जीवन में कोई पुरुष अनासक्त कहलाए, यह उदाहरण बहुत मुश्किल है।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि कुरुक्षेत्र की महाभारत में श्रीकृष्ण चाहते तो अकेले ही कौरवों का संहार कर सकते थे। उन्होंने कुरुक्षेत्र में रहकर भी शस्त्र नहीं उठाए। यह एक साधक ही कर सकता है। वैराग्य और अभ्यास के द्वारा ही मन को जीता जा सकता है। ये संदेश श्रीकृष्ण महाराज ने जगत को दिया। युद्ध के मैदान में जब अपनों को देखकर अर्जुन थम गए तो श्रीकृष्ण ने मन से राग हटाकर मन पर नियंत्रण करने की सीख दी। उपाध्याय भगवंत ने कहा कि हमारा खुद पर नियंत्रण बहुत कमजोर है। कोई अपशब्द कह दे तो उसे तुरंत कह देंगे। कोई थप्पड़ मार दे तो तुरंत पलटवार कर देते हैं। श्रीकृष्ण का स्व-नियंत्रण कितना बड़ा था। महाभारत के युद्ध में श्रीकृष्ण युद्ध की ना सोचकर पहले खुद शांति दूत बनकर गए थे। जन्म से श्रीकृष्ण ने संघर्ष ही देखा था। वे शांति दूत बनकर गए। उनकी एक और बड़ी विशेषता थी कि उनके चेहरे पर सदा मुस्कान रहती थी। वहीं स्थिति बदलते ही हमारी मुस्कान चली जाती है। सही व्यक्ति वही है जिसकी हर परिस्थिति में मुस्कान बनी रहती है।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि श्रीकृष्ण के जीवन की एक और बड़ी विशेषता थी। जब तक व्यक्ति को कुछ नहीं मिलता तो अभाव में जीता है। जैसे मिलता है तो भोगने की इच्छा होती है। श्रीकृष्ण को बचपन से अभाव मिले थे। बड़े हुए तो पुण्य की लीला मिली। उनके जीवन की विशेषता सदैव अनासक्ति की रही।

आसक्ति के निमितों में रहकर भी अनासक्त रहना बहुत बड़ी साधना है। अनासक्ति की साधना वस्तु का उपयोग करो लेकिन उपभोग मत करो। आवश्यकता की पूर्ति करो लेकिन आसक्ति मत करो।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि श्रीकृष्ण का जीवन मन पर विजय पाने का संदेश देता है। युद्ध के मैदान में सबसे अधिक तनाव सारथी को होता है। महाभारत के युद्ध में श्रीकृष्ण अर्जुन के सारथी बने। निहत्था होने के बाद भी तनाव नहीं रहा। कुरुक्षेत्र के अशांत वातावरण में भी उन्होंने धर्म का उपदेश दिया।अर्जुन के भीतर के राग को तोड़ा। हम भी सदैव सत्य को जानने का प्रयास करें। मत प्रेमी से सत्य प्रेमी बने। देव, गुरु और धर्म मताग्रह करने के लिए नहीं है। इनके माध्यम से सत्य तक पहुंचे।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि श्रीकृष्ण महाराज का जन्म जेल में हुआ था। उन्होंने अपने जन्म से ही पीड़ा देखी। उनका जीवन संदेश देता है कि जीवन एक संघर्ष है इस संघर्ष में हिम्मत नहीं हारना है। अपना मार्ग निकालते जाना है। श्रीकृष्ण के जीवन के संघर्ष से हमारे जीवन की तुलना करें तो कुछ भी नहीं है। फिर भी हम जिंदगी से कितनी शिकायत करते हैं। सच्चा सुख इस संसार में संयम व आत्मबल में है। झूठे सुख में जीने वाले बहुत हैं। सच्चे सुख में जीने वाले के पास जब आत्मबल आ जाता है वही सुख है।

संक्षिप्त समाचार

रायपुर सराफा एसोसिएशन ने किया ध्वजारोहण

रायपुर। रायपुर सराफ एसोसिएशन ने किया ध्वजारोहण। इस अवसर पर रायपुर सराफ एसोसिएशन के अध्यक्ष धरमचंद भंसाली, सचिव जीतेन्द्र गोलछा और प्रचार प्रसार मंत्री तरुण कोचर और रायपुर दक्षिण के विधायक सुनील सोनी जी उपस्थित थे ।

बारिश के बाद भी उमस से राहत नहीं, प्रदेश में कमजोर मानसून

रायपुर। प्रदेश में बारिश के बावजूद लोगों को उमस से राहत नहीं मिल रही है। मौसम विभाग के अनुसार इस समय मानसून की स्थिति कमजोर है। हालांकि आज कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज-चमक की गतिविधि होने की संभावना है। वहीं कल 18 अगस्त को बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव का क्षेत्र बनने के आसार हैं। इसका असर मुख्य रूप से दक्षिण छत्तीसगढ़ में देखने को मिल सकता है, जिससे वहां बारिश की गतिविधियां तेज हो सकती हैं। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि फिलहाल राज्य के अन्य हिस्सों में सामान्य या हल्की बारिश ही देखने को मिलेगी।

रायपुर में 'हाउस चर्च' पर रोक, ईसाई समुदाय बोला: संवैधानिक अधिकारों का हनन

रायपुर। ज़िला प्रशासन ने ईसाई समुदाय द्वारा घरों में आयोजित प्रार्थना सभाओं, जिन्हें 'हाउस चर्च' कहा जाता है, पर प्रतिबंध लगा दिया है। प्रशासन का कहना है कि यह कदम शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक है, जबकि ईसाई समाज इसे धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन बता रहा है।

प्रशासन का तर्क- रायपुर पुलिस और ज़िला प्रशासन ने पादरियों व प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर स्पष्ट निर्देश दिए कि अब प्रार्थना केवल अधिकृत और रजिस्टर्ड चर्चों में ही की जाएगी। प्रशासन का दावा है कि हाउस चर्च की आड़ में धर्मांतरण गतिविधियों की शिकायतें मिल रही थीं, जिससे सामाजिक तनाव और विवाद बढ़ सकता था। प्रशासन ने यह भी कहा कि किसी भी धार्मिक या सामाजिक आयोजन के लिए अनुमति लेना अनिवार्य है, लेकिन इन सभाओं में नियमों का पालन नहीं हो रहा था।

ईसाई समुदाय का विरोध- ईसाई समाज ने प्रशासन के आदेश पर कड़ा विरोध जताया है। उनका कहना है कि हाउस चर्च कोई नई परंपरा नहीं है बल्कि दुनिया भर में मान्य धार्मिक प्रथा है। ग्रामीण इलाक़ों या जहाँ चर्च नहीं है, वहाँ लोग घरों में शांति से प्रार्थना करते हैं। समुदाय ने धर्मांतरण के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उन पर बजरंग दल जैसे संगठनों द्वारा झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग की है और यहाँ तक कहा है कि वे अपने घरों में सीसीटीवी लगाने को भी तैयार हैं।

संवैधानिक पहलू- भारतीय संविधान का अनुच्छेद 25 हर नागरिक को धार्मिक स्वतंत्रता देता है, लेकिन यह अधिकार सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और स्वास्थ्य के अधीन है। प्रशासन इसी प्रावधान का हवाला दे रहा है, जबकि समुदाय अपने अधिकारों पर अडिग है।

अदालत की शरण- ईसाई समाज ने इस रोक को हाईकोर्ट में चुनौती दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि केवल शिकायतों के आधार पर किसी समुदाय की धार्मिक गतिविधियाँ रोकी जाती हैं, तो यह लोकतंत्र और संविधान की मूल भावना के लिए खतरा बन सकता है। अब सभी की निगाहें अदालत के फैसले पर टिकी हैं कि वह इस संवेदनशील मुद्दे पर क्या दिशा-निर्देश देती है।

साय कैबिनेट की बैठक 19 को, कई अहम मुद्दों पर होगा फैसला

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में 19 अगस्त को मंत्रिपरिषद की बैठक आयोजित की जाएगी। इसकी जानकारी देते हुए उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने बताया कि इस बैठक में कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा और निर्णय लिए जाएंगे। बैठक के बाद लिये गए फैसलों की जानकारी मीडिया को दी जाएगी। वहीं मंत्रिमंडल के विस्तार को लेकर उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि, मंत्रिपरिषद का विस्तार मुख्यमंत्री का विशेषाधिकार है, इस संबंध में वही कुछ कह सकते हैं।

संपादकीय

भारत की स्थिति चीन से बहुत भिन्न

दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश रहे चीन को आज अपनी घटती जनसंख्या की भरपाई के लिए बड़ी आर्थिक योजनाएं लानी पड़ रही हैं। चीन ने घोषणा की है कि वह तीन साल से कम उम्र के प्रत्येक बच्चे के लिए सालाना 3,600 युआन यानी लगभग 1,500 डॉलर (1.25 लाख रु पये) की नकद मदद देगा। यह योजना जनसंख्या को बढ़ावा देने के लिए लाई जा रही है क्योंकि चीन की जन्म दर ऐतिहासिक रूप से नीचे पहुंच गई है। 2023 में चीन की कुल जनसंख्या में 61 वर्षो में पहली बार गिरावट दर्ज की गई। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, चीन की टोटल फर्टिलिटी रेट सिर्फ 1.09 है, जबकि जनसंख्या को स्थिर बनाए रखने के लिए 2.1 का स्तर जरूरी होता है। यह उदाहरण दिखाता है कि जनसंख्या नियंत्रण सिर्फ आंकड़ों की बात नहीं है, यह सामाजिक, आर्थिक और रणनीतिक रूप से एक बेहद संवेदनशील विषय है। भारत ने 2023 में चीन को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की सबसे बड़ी जनसंख्या वाला देश बनने का 'टैग' प्राप्त किया, लेकिन भारत की स्थिति चीन से बहुत भिन्न है। भारत में नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे -5 के अनुसार, कुल प्रजनन दर अब 2.0 पर आ गई है-यह भी रिप्लेसमेंट लेवल से नीचे है। इसका मतलब यह है कि भारत की जनसंख्या अब धीरे-धीरे स्थिर हो रही है, और भविष्य में इसमें गिरावट की संभावना भी जताई जा रही है। इस स्थिति को सकारात्मक नजरिए से देखा जाए तो यह भारत के लिए एक डेमोग्राफिक डिविडेंड का सुनहरा अवसर है। भारत में अभी भी 65त्न से अधिक जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है। इसका मतलब यह है कि हमारे पास कामकाजी युवाओं की बड़ी फौज है, जो आने वाले वर्षो में देश की आर्थिक विकास यात्रा को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकती है। चीन आज जिस संकट से जूझ रहा है जहां बूढ़ी होती जनसंख्या के साथ कामकाजी हाथ कम होते जा रहे हैं, भारत उस स्थिति से अभी दूर है। भारत को यहां एक संतुलित नीति अपनाने की जरूरत है। न तो अंधाधुंध जनसंख्या बढ़ाने की सोच हो, न ही अतिवादी नियंत्रण की। भारत के कई दक्षिणी और उत्तर-पूर्वी राज्यों में पहले ही जनसंख्या वृद्धि रु क गई है। केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, दिल्ली, पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में अब 1.6 से 1.8 के बीच है, जो चिंता का विषय है। वहीं बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड जैसे राज्यों में अभी भी 2.5 के आसपास है। ये क्षेत्रीय असंतुलन भविष्य में सामाजिक और आर्थिक ढांचे को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए एक सकारात्मक रणनीति यह होगी कि हम जनसंख्या वृद्धि की जगह जनसंख्या की गुणवत्ता पर ध्यान दें। भारत को शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और महिला सशक्तिकरण जैसे मुद्दों को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। अगर हम यह सुनिश्चित कर सकें कि हर बच्चा स्कूल में जाए, हर महिला को स्वास्थ्य सुविधा और बराबरी का अवसर मिले और हर युवा को हुनरमंद बनाया जाए, तो यही जनसंख्या हमारी सबसे बड़ी ताकत होगी। इसके साथ ही, भारत को आने वाले दशकों में बुजुगरे की संख्या बढ़ने की संभावना को भी समझना होगा और उनके लिए स्वास्थ्य व सामाजिक सुरक्षा ढांचे को मजबूत करना होगा। आज जब दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं जनसंख्या की कमी से जूझ रही हैं जैसे जापान, कोरिया, इटली, रूस और अब भारत के पास एक बड़ा अवसर है कि वह अपने डेमोग्राफिक एडवांटेज को आर्थिक व सामाजिक प्रगति में बदल सके। इसके लिए नीति-निर्माताओं को दीर्घकालिक सोच अपनानी होगी। शिक्षा और रोजगार को केंद्र में रखकर भारत यदि अपनी युवा शक्ति को अवसर दे, तो जनसंख्या कभी बोझ नहीं बनेगी। चीन आज जिन योजनाओं को लागू कर रहा है बच्चों के पालन-पोषण में आर्थिक सहायता, मातृत्व अवकाश, डे-केयर सुविधा और सामाजिक सुरक्षा वह भारत के लिए संकेत हैं कि हमें भी समय रहते अपने सामाजिक ढांचे को मजबूत करना होगा। हालांकि भारत की आर्थिक स्थिति चीन से अलग है, लेकिन नवाचार और सामुदायिक सहयोग से हम एक ऐसा मॉडल बना सकते हैं जिसमें जनसंख्या को लाभ में बदला जा सके। भारत को यह भी समझना होगा कि जिस जनसंख्या को आज वह अपनी शक्ति मान रहा है, वही आने वाले समय में चुनौतियों का कारण भी बन सकती है यदि उसे सही दिशा, शिक्षा और अवसर न मिले। चीन के ताजा निर्णय से भारत को यह भी सीखने को मिलता है कि परिवार और बच्चों के पालन-पोषण को आसान और सम्मानजनक बनाना क्यों जरूरी है। भारत के शहरी क्षेत्रों में भी अब छोटे परिवार और देर से विवाह करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। यदि भारत सरकार भविष्य में प्रजनन दर में गिरावट देखे तो उसे समय रहते सामाजिक सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण, पितृत्व/मातृत्व अवकाश और कार्यस्थल पर बच्चों की देखरेख जैसे उपायों को संस्थागत बनाना होगा। जनसंख्या को बोझ नहीं, बल्कि भविष्य की पूंजी समझने का वक्त आ गया है। यही समय है जब हमें जनसंख्या नियंत्रण से आगे बढ़कर जनसंख्या निवेश की नीति अपनानी चाहिए।

मतदाताओं के नाम हटाए जाने पर विवाद

देश के चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया है कि कानूनन चुनाव निकाय को मसौदा मतदाता सूची से गायब लोगों के नामों की अलग से सूची तैयार करने/साझा करने या किसी भी कारण उनके नाम न शामिल करने के कारणों को प्रकाशित करने की जरूरत नहीं है। अदालत को गुमराह करने के लिए याचिकाकर्ता के खिलाफ अवमानना कार्रवाई का आग्रह करते हुए आयोग ने पूरक हलफनामे के साथ दायर अन्य जवाब में कहा- अधिकार के तौर पर वे ऐसी कोई सूची नहीं मांग सकते। अपने मामले की पुष्टि के लिए आयोग ने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 तथा मतदाता पंजीकरण नियम 1960 के नियम 10 व 11 का हवाला दिया। बिहार में इस विवादित मसौदा सूची में 7.24 करोड़ मतदाताओं के नाम शामिल हैं, जिसमें पैंसठ लाख से ज्यादा मतदाताओं के नाम हटाए जाने पर विवाद है। आयोग का दावा है, वे या तो मर चुके हैं या पलायन कर चुके हैं। हालांकि इस दावे का आधार बहुत सतही मालूम पड़ता है। याचिकाकर्ता गैर-सरकारी संगठन द्वारा इन गैर-मौजूद नामों की सूची कारण के साथ उपलब्ध कराने की मांग के बाद आयोग ने अपना जवाब दाखिल किया। आयोग का कहना है, उसने अपने दायित्व कानून के दायरे में पूरे किये और नियमानुसार निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी को मसौदा सूची की प्रति उपलब्ध कर दी। साथ ही प्रत्येक मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल को सूची की दो प्रतियां प्रदान करने की व्यवस्था भी है। आयोग के अनुसार छूटे नामों वाले मतदाता बूथस्तरीय एजेंटों व अन्य माध्यमों से संपर्क कर सकते हैं, परंतु सवाल है कि जो मतदाता वास्तव में दूर-दराज या राज्य से बाहर हैं, वे अपना नाम सूची में जांचने के लिए बारंबार लौट नहीं सकते। हालांकि आयोग ने पहली सितम्बर तक दावा या आपत्तियां दर्ज कराने का समय दिया है, परंतु यह आश्रितों, कमजोर आयवर्ग वालों व अशिक्षितों के लिए मात्र रस्म अदायगी लग रहा है।

पीएम मोदी द्वारा आरएसएस की तारीफ किए जाने के बाद उभरे विपक्षी आलोचनात्मक स्वरों के सियासी मायने समझिए

कमलेश पांडे

देश-दुनिया की सबसे बड़ी अपंजीकृत गैर सरकारी संस्था (एनजीओ) राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की तारीफजब दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), जो और सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की अगुवा पार्टी है, के प्रखर नेता, ओजस्वी वक्ता, पूर्व संघ प्रचारक और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले के प्राचीर से की, तो वह कोई साधारण क्षण नहीं था, बल्कि आरएसएस की स्थापना के शतक वर्ष पर 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह को सम्बोधित कर रहे प्रधानमंत्री के हृदय से निकला उद्गार है।

वहीं, सियासी रूप से मूढ़ और अकर्मण्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस और उसकी सहयोगी समाजवादी पार्टी (सपा) ने जिस तरह से प्रधानमंत्री के आरएसएस सम्बन्धी विचार की खिल्ली उड़ाई, उससे जनसेवा, समाजसेवा व राष्ट्रसेवा के प्रति उनका उपहास बोध उजागर हो गया। ये वही लोग हैं जिन्होंने दलित-पिछड़ों-अल्पसंख्यकों के शोषण के नाम पर सत्ता हथियाकर सामंती मानसिकता और परिवारवाद की सारी हदें पारकर खुद की सत्ता भी गवां दी। जो समाजवादी कांग्रेस विरोध के नाम पर जनसंघ-भाजपा के सहयोग से सत्ता में आए, राष्ट्रवादी व हिंदुत्व की जनभावना मजबूत होते ही भाजपा के विरोध में कांग्रेस से सांठगांठ कर लिया। वहीं, जो कांग्रेस मुस्लिम लीग विरोधी होने के चलते हिंदुओं के देश भारत की सत्ता पाई, वह जनसंघ/समाजवादियों के बढ़ते प्रभाव से धर्मनिरपेक्षता का ढिंढोरा पीटने लगी।

यही वजह है कि जहां अंग्रेजों द्वारा स्थापित पार्टी कांग्रेस ने इसे आरएसएस को खुश करने वाला कदम बताया। वहीं, कांग्रेस के दम पर मृत जातिवादी समाजवाद को जिंदा कर सकने वाली समाजवादी पार्टी के प्रमुख और उत्तरप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश ने इसे संघी साथियों द्वारा अंग्रेजों को धन्यवाद देने का पल करार दिया। शायद ऐसी सियासी उलटबासी परोसते हुए उन्हें शर्म भी नहीं आई। इसलिए इसके राजनीतिक मायने को हम यहां विस्तार पूर्वक समझा रहे हैं।

पहले प्रधानमंत्री ने क्या कहा, उसे बताते हैं। लाल किले से पीएम मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष (1925-2025) का जिक्र किया और संघ के अवदानों की खुलकर तारीफकी। चूंकि पीएम मोदी का लाल किले से यह 12वीं बार भाषण था, लेकिन इससे पहले कभी भी उन्होंने इस प्रमुख अवसर पर संघ की तारीफइस तरह से नहीं की थी। जबकि पीएम ने खुलेआम कहा कि संघ का इतिहास समर्पण का इतिहास है। सेवा, समर्पण, संगठन और अनुशासन ही इसकी पहचान रहे हैं।

पीएम ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की देश सेवा की यात्रा को लेकर इसे दुनिया के सबसे बड़े एनजीओ की तरह बताया और मुक्त कंठ से तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि आज से 100 साल पहले एक संगठन का जन्म हुआ, जिसका नाम है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ। यह 100 साल की राष्ट्र की सेवा का एक बहुत ही गौरवपूर्ण स्वर्णिम पृष्ठ है। व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण के संकल्प को लेकर स्वयंसेवकों ने मां भारती के कल्याण के लिए जो निज जीवन समर्पित किया है, अतुलनीय कार्य किया है, उसी से मौजूदा भारत का सामर्थ्य दुनिया देख रही है।

यह बात दीगर है कि जहां लोकसभा चुनाव 2024 और उसके नतीजों के बाद बीजेपी और संघ में दूरी दिखी, वहीं पिछले काफी वक्त से पीएम संघ को लेकर अलग-अलग मौकों पर बोले भी और इज़की जमकर सराहना की। इसी साल 30 मार्च को पीएम बनने के बाद नरेंद्र मोदी पहली बार संघ हेडक्वॉर्टर नागपुर, महाराष्ट्र भी गए। वहां पर उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापकों को श्रद्धांजलि दी। उससे पहले के कुछ महीनों में प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी ने अलग-अलग इंटरव्यू में संघ के काम काज की भरपूर तारीफभी की, ताकि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के बचकाना बयानों से जो दूरियां पैदा हुई और जनमानस में गलत संदेश गया उसकी भरपाई हो सके।

वहीं, देश की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा लाल किले के प्राचीर से आरएसएस का नाम लेने को संवैधानिक भावना का उल्लंघन बताया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री जयराम रमेश ने दावा किया है कि 4 जून 2024 के बाद से पीएम मोदी निर्णायक रूप से कमजोर पड़ गए हैं और 75 साल की उम्र 18 सितंबर 2025 को बीतने के बाद अपना कार्यकाल बढ़ाने के लिए आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की कृपा पर निर्भर है। कांग्रेस नेता के अनुसार, प्रधानमंत्री द्वारा लाल किले से आरएसएस का नाम लेना एक संवैधानिक और धर्मनिरपेक्ष गणराज्य की भावना का उल्लंघन है। उन्होंने इसे उनके 75वें जन्मदिन से पहले संघ को खुश करने की हताश कोशिश बताया है।

हालांकि, कांग्रेस की इस छिछली राजनीतिक टिप्पणी पर सियासी गलियारों में यही चर्चा है कि गुड़ खाएं लेकिन गुलगुले से परहेज। यानी कि 2014 से ही आरएसएस के पूर्व प्रचारक भाजपा में आकर उसके मार्गदर्शन से देश चला रहे हैं, नीतियां बदल रहे हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने नाम ले लिया तो संवैधानिक और धर्मनिरपेक्ष गणराज्य की भावना का उल्लंघन होगा। सुलगता सवाल है कि क्या ऐसा उल्लंघन तब नहीं हुआ जब 10 जनपथ में बैठकर विदेशी रणनीतिकार डॉ मनमोहन सिंह की नकेल अपने हाथ में रखे हुए थे और उलजुलूल बयान तक दिलवा देते थे? उन्हें खुद आत्मचिंतन करना चाहिए।

रही बात समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव की तो उन्होंने शुक्रवार को अप्रत्यक्ष रूप से आरएसएस पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ संगठन अंग्रेजों ने बनाए थे, ताकि 'भारत' को धार्मिक आधार पर विभाजित किया जा सके। लखनऊ के जनेश्वर मिश्र पार्क में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए यादव ने आरएसएस का नाम लिए बिना कहा, ये संघी साथियों का समूह...मैं उन्हें याद दिलाना चाहता हूं कि बीजेपी के गठन के बाद पार्टी प्रमुख बने व्यक्ति ने पहले अधिवेशन में यह निर्णय लिया गया था कि पार्टी की राजनीतिक विचारधारा समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष होगी।

फिर अखिलेश यादव बोले, 100 साल पूरे होने पर उन्हें अंग्रेजों को धन्यवाद देना चाहिए। क्योंकि हमने सुना है और इतिहासकारों ने लिखा है कि कुछ संगठन अंग्रेजों ने बनाए थे ताकि भारत को धार्मिक आधार पर बांट सके, हिंदुओं और मुसलमानों के बीच खाई पैदा की जा सके। इसलिए संघी साथियों, जिनकी पहली विचारधारा समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष है, उन्हें इसे याद रखना चाहिए। हालांकि, ऐसा प्रतीत होता है कि अखिलेश यादव अंग्रेजों को याद करते समय सेफ्टी वॉल्व के रुप में एक ब्रिटिशर्स द्वारा स्थापित पार्टी कांग्रेस को स्मरण करना भूल गए, जिसकी सियासी बैशाखी पाकर मृतप्राय हो चली समाजवादी पार्टी को उन्होंने जिंदा किया।

चाहे कांग्रेस हो या समाजवादी पार्टी, उन्हें आरएसएस की आलोचना से पहले खुद के गिरेबां में झाँककर देख लेना चाहिए। उन्हें पता होना चाहिए कि आरएसएस का गठन उसी व्यक्ति ने किया, जिसने कभी कांग्रेस सेवा दल को अपनी सेवाएं दी थी। यानी कि उससे अलग होकर उन्होंने तब ही जता दिया था कि कांग्रेस का भविष्य अंधकारमय है, लेकिन उसके साथ ही भारत का भविष्य भी वैसा ही न हो जाए, इसलिए उन्होंने आरएसएस का गठन किया। आज जब वह और उसका मुखौटा राजनीतिक संगठन भाजपा शीर्ष पर है, तो कांग्रेस कहाँ है? क्यों है? आत्ममंथन का विषय है।

रही बात समाजवादी पार्टी की तो उसे पता होना चाहिए कि कांग्रेस को पहली बार राष्ट्रीय स्तर पर सत्ता से बेदखल करने वाली जनता पार्टी के डीएनए में समाजवादी व राष्ट्रवादी एक साथ थे। 1989 में भी उन्होंने एक साथ रहकर कांग्रेस को पुन: अपदस्थ किया। लेकिन फर्जी धर्मनिरपेक्षता और घोर जातिवाद-परिवारवाद का सियासी भूत जब उनलोगों पर सवार हो गया, तब आरएसएस के निर्देश पर ही भाजपा उनसे अलग हुई और मौजूदा बुलंदियां हासिल की। मेरा कांग्रेस और सपा को विनम्र सुझाव है कि आरएसएस को समझने के लिए उसकी प्रात:कालीन शाखाओं में जाएं और वहां पर चल रही व्यक्तित्व निर्माण, समाज निर्माण और राष्ट्रनिर्माण की नि:स्वार्थ कोशिशों को समझें। फिर खुद से पूछें कि क्या कांग्रेस-सपा ऐसी जनमुहिम नहीं पैदा कर सकती? यदि हां, तो फिर सकारात्मक पहल अविलंब शुरू करें। राजद प्रमुख व बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव द्वारा गठित डीएसएस का हश्र सामने है। फिर भी आपलोगों को अपना व्यक्तिगत अनुभव हासिल कर लेना चाहिए। तभी आपकी समझ में आएगा कि जनसहयोग से आरएसएस ने वह कर दिखाया है, जो सत्ता के तमाम नंगा नाचों से कांग्रेस-क्षेत्रीय दल हासिल नहीं कर पाए। यही आरएसएस-भाजपा की ताकत है। उसके मुकाबिल खड़े होने के लिए अब वहीं से शुरुआत करनी होगी, अन्यथा राजनीतिक बियावान में भटकते रहिए।

स्पष्ट है कि यदि प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष का जिक्र कर पहली बार लाल किले से इस संगठन की जो तारीफकी है, वह बहुत कम है। क्योंकि आरएसएस दुनिया का सबसे बड़ा एनजीओ है जो देशवासियों को प्रेरणा देता रहेगा। ऐसा इसलिए कि संघ का इतिहास समर्पण का इतिहास है। सेवा, समर्पण, संगठन और अनुशासन इसकी अमिट पहचान रहे हैं।

राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन

श्री जगत प्रकाश नड्डा केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

भारत के आदिवासी समुदाय, जो कि कुल जनसंख्या का 8.6त्न हैं, राष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत के मूल तत्व का प्रतिनिधित्व करते हैं। फिर भी, इन समुदायों के कई व्यक्ति जानकारी के अभाव में सिकल सेल नामक अनुवांशिक बीमारी से जूझ रहे हैं। दशकों से इस बीमारी ने उनके स्वास्थ्य के साथ-साथ सामाजिक और आर्थिक विकास पर भी गहरा असर डाला है, और यह बीमारी भौगोलिक अलगाव एवं स्वास्थ्य सेवाओं तक सीमित पहुँच के कारण और भी जटिल हो गई है। इस गंभीर आवश्यकता को पहचानते हुए, भारत सरकार ने माननीय प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में जुलाई 2023 में राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन की शुरुआत की। इस मौलिक पहल का उद्देश्य न केवल सिकल सेल के आनुवांशिक संचरण का उन्मूलन करना है, बल्कि इस रोग से प्रभावित लाखों लोगों के सम्मान और स्वास्थ्य को भी बहाल करना है।

सिकल सेल रोग में लाल रक्त कोशिकाओं का आकार बदल जाता है, जिससे उनकी ऑक्सीजन वहन करने की क्षमता कम हो जाती है और धीरे-धीरे गंभीर स्वास्थ्य संबंधी जटिलताएं उत्पन्न होने लगती हैं। आदिवासी जनसंख्या के बीच इसका प्रभाव विशेष रूप से गहरा है, क्योंकि वे इस आनुवंशिक बीमारी से असमान रूप से प्रभावित होते हैं। ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज एस्टिमेट्स (2021) रिपोर्ट के अनुसार, भारत में प्रति वर्ष अनुमानित 82,500 बच्चों का जन्म सिकल सेल रोग के साथ होता है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 ने इस संकट से निपटने के लिए आधार तैयार किया और इसकी विशिष्ट स्वास्थ्य आवश्यकताओं पर ज़ोर इसी के आधार पर, केंद्रीय बजट 2023 में हस्ष्टश्वरूकी घोषणा की गई, जिसमें वित्त वर्ष 2025-2026 तक 40 वर्ष से कम आयु के 7 करोड़ व्यक्तियों की मिशन मोड में जाँच करने का लक्ष्य रखा गया। कार्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत क्रियान्वित किया गया, जिससे यह विश्व स्तर पर सबसे बड़े जनसंख्या-आधारित आनुवंशिक जाँच कार्यक्रमों में से एक बन गया है। इस मिशन का उद्देश्य 2047 तक स्ष्टष्ठ के आनुवंशिक संचरण को समाप्त करना और पहले से ही इससे पीड़ित लोगों को व्यापक देखभाल प्रदान करना भी है।

पहले दो वर्षों में, स्वास्थ्य मंत्रालय और राज्यों के संयुक्त प्रयासों से इस मिशन के अंतर्गत उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त हुए हैं। 31 जुलाई 2025 तक, 17 उच्च-व्यापकता वाले राज्यों के 300 से अधिक जिलों में 6.07 करोड़ से अधिक व्यक्तियों की जांच की जा चुकी है। जांच किए गए व्यक्तियों में से 2.16 लाख रोगग्रस्त पाए गए, जबकि 16.92 लाख को वाहक के रूप में पहचाना गया। विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि 95त्न मामले केवल पाँच राज्यों—ओडिशा, मध्य प्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र—में केंद्रित हैं।

छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर के नवापारा की एक युवा आदिवासी लड़की मीना की कहानी इस मिशन के सकारात्मक प्रभाव का प्रतीक है। जांच अभियान के दौरान नैदानिक परीक्षण किए जाने पर, मीना को निकट के एक उप-स्वास्थ्य केंद्र में नामांकित किया गया। प्रशिक्षित सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ), एएनएम और आशा कार्यकर्ता ने यह सुनिश्चित किया कि उसे नि:शुल्क हाइड्रोक्सीयूरिया औषधि समय पर मिलती रहे, जिससे सिकल सेल रोग के लक्षणों में उल्लेखनीय कमी आई। आज, मीना पहले से कहीं अधिक स्वस्थ है और अपने समुदाय में आनुवंशिक रोगों के परामर्श में भी सक्रिय भूमिका निभा रही है।

स्क्रीनिंग प्रयासों में तेज़ी लाने के लिए, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ढ्ढष्टरूक्र) द्वारा अनुमोदित पॉइंट-ऑफ-केयर (क्कश्चष्ट) डायग्नोस्टिक उपकरणों को लगाया गया है। शुरुआत में इनकी संख्या केवल तीन तक सीमित थी, जो अब बढ़कर 30 से अधिक हो गई है। इससे प्रति किट लागत ?100 से घटकर ?28 हो गई है। इस पहल ने स्ष्टष्ठ के लिए लागत-प्रभावी और कुशल डायग्नोस्टिक क्षमताएँ सुनिश्चित की हैं।

इस मिशन का कार्यान्वयन केवल स्क्रीनिंग पर केंद्रित नहीं है; यह एससीडी से पीड़ित व्यक्तियों की समग्र देखभाल को भी प्राथमिकता देता है। मिशन के अंतर्गत प्रबंधन हस्तक्षेपों में नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाएँ, आवश्यक दवाओं और निदान तक पहुँच शामिल है। सिकल सेल रोग के प्रबंधन के लिए एक प्रमुख दवा, हाइड्रॉक्सीयूरिया, को राष्ट्रीय आवश्यक औषधि सूची (ईडीएल) में शामिल किया गया है और अब यह आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप-स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध है, जिससे अंतिम व्यक्ति तक इसकी पहुँच सुनिश्चित होती है।

यह मिशन सिकल सेल रोग के उन्मूलन की प्रमुख रणनीतियों के रूप में आनुवंशिक परामर्श और जन जागरूकता पर भी ज़ोर देता है। अब तक 2.62 करोड़ से अधिक आनुवंशिक स्टेटस कार्ड वितरित किए जा चुके हैं, जिससे लोगों को उपयोगी स्वास्थ्य जानकारी प्राप्त हुई है। ये कार्ड परामर्श और उचित निर्णय लेने का एक प्रभावी माध्यम बन गए हैं, जो परिवारों को ऐसे विकल्प चुनने में मदद करते हैं जिनसे आनुवंशिक संचरण का जोखिम कम हो सकता है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों और जनजातीय कार्य मंत्रालय से प्राप्त वित्तीय सहायता के आधार पर, पंद्रह स्वास्थ्य परिचर्या संस्थानों/मेडिकल कॉलेजों को उत्कृष्टता केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए चुना गया है। ये संस्थान प्रसवपूर्व निदान और गंभीर सिकल सेल रोग जटिलताओं के प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिससे जोखिम वाले परिवारों को विशेष परिचर्या सुनिश्चित की जाती है। इसके अतिरिक्त, अक्टूबर 2024 में आयोजित एक राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों को सिकल सेल रोग प्रबंधन की जटिलताओं का प्रभावी ढंग से समाधान करने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान किए गए हैं।

मिशन की सफलता "Whole-of-Government" के दृष्टिकोण पर आधारित है, जिसके तहत स्वास्थ्य मंत्रालय, जनजातीय कार्य मंत्रालय, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय तथा महिला एवं बाल विकास मंत्रालय को भी शामिल किया गया है। यह अंतर-मंत्रालयी समन्वय जनजातीय स्वास्थ्य के सामाजिक-सांस्कृतिक और भौगोलिक आयामों का समाधान करते हुए समग्र कार्यान्वयन सुनिश्चित करता है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा समर्थित अनुसंधान-आधारित गतिविधियों ने इस मिशन की लागत-प्रभावशीलता और रोगी परिणामों में उल्लेखनीय सुधार किया है।

हालांकि इस मिशन की अब तक की उपलब्धियाँ बेहद सराहनीय हैं, स्वास्थ्य मंत्रालय अब मिशन की दीर्घकालिक प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने पर केंद्रित है। अब मिशन का तात्कालिक ध्यान आनुवंशिक परामर्श, जन जागरूकता अभियानों और आनुवंशिक स्टेटस कार्डों के वितरण के विस्तार पर होगा। सामुदायिक स्तर के मंचों का प्रभावी उपयोग यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण होगा कि प्रत्येक वाहक और रोगग्रस्त व्यक्ति को आवश्यक परिचर्या और सहायता प्राप्त हो। उन्नत अनुसंधान प्रयास मिशन की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी एवं सशक्त बनाने में सहायक सिद्ध होंगे।

इस मिशन की असली भावना इसके आदर्श हमारे संघर्षकर्ताओं को साथ, हमारे उत्तरजीवियों को संबल, और हमारे योद्धाओं को समर्थन में निहित है। राजनीतिक इच्छाशक्ति, वैज्ञानिक नवाचार और जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन के संयोजन से भारत सिकल सेल एनीमिया को समाप्तस करने और लाखों लोगों के जीवन में बदलाव लाने के लिए तत्पंर है।

जैसे-जैसे भारत वर्ष 2047 तक सिकल सेल रोग उन्मूलन के अपने लक्ष्य की ओर आत्मविश्वास से आगे बढ़ रहा है, सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन इसमें आशा की किरण बनकर उभरा है। यह इस बात का द्योतक है कि जब सरकार, स्वास्थ्य सेवा पेशेवर और समुदाय समान हित के लिए एकजुट होते हैं, तो क्या कुछ प्राप्त नहीं किया जा सकता है। हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करेंगे कि किसी भी व्यक्ति को इस रोग के कारण होने वाले दर्द और पीड़ा को न सहना पड़े।

सिकल सेल एनीमिया के विरुद्ध भारत की लड़ाई सिर्फ़एक आनुवंशिक रोग से लड़ने तक सीमित नहीं है—यह हाशिए पर रहने वाले हमारे देश के समूहों के लिए समानता, सम्मान और स्वास्थ्य के प्रति प्रतिबद्धता है। मीना जैसी महिलाओं के अनुभवी मार्गदर्शन में, यह मिशन लक्षित स्वास्थ्य सेवा पहलों की परिवर्तनकारी शक्ति का प्रमाण है, जो जनजातीय स्वास्थ्य चुनौतियों के समाधान में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

आइए, इस अभूतपूर्व प्रयास का जश्न मनाएं और एक स्वस्थ, अधिक समावेशी भारत के निर्माण के अपने संकल्प को दोहराएं।

सिंह संक्रांति पर भगवान सूर्य की पूजा

सनातन धर्म में भाद्रपद महीने का खास महत्व है। इस महीने में कई प्रमुख व्रत-त्योहार मनाए जाते हैं। इनमें कृष्ण जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी और राधा अष्टमी प्रमुख हैं। इसके साथ ही कई अन्य महत्वपूर्ण त्योहार भी धूमधाम से मनाए जाते हैं। इस महीने में ही आत्मा के कारक सूर्य देव राशि परिवर्तन करेंगे। सूर्य देव के राशि परिवर्तन करने की तिथि पर संक्रांति मनाई जाती है। इस शुभ अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा समेत पवित्र नदियों में स्नान-ध्यान करते हैं। इसके बाद विधिवत सूर्य देव की पूजा करते हैं। इस तिथि पर दान करना बेहद शुभ माना जाता है। आइए, सिंह संक्रांति की डेट एवं शुभ मुहूर्त जानते हैं-

सूर्य राशि परिवर्तन:
वर्तमान समय में सूर्य देव कर्क राशि में विराजमान हैं। इस राशि में सूर्य देव 16 अगस्त तक रहेंगे। इसके अगले दिन सूर्य देव कर्क राशि से निकलकर सिंह राशि में गोचर करेंगे। सूर्य देव 17 अगस्त को देर रात 02 बजे सिंह राशि में गोचर करेंगे। इस राशि में सूर्य देव एक महीने तक रहेंगे। इसके बाद सूर्य देव सिंह राशि से निकलकर कन्या राशि में गोचर करेंगे।

कर्क संक्रांति शुभ मुहूर्त:
सूर्य देव के सिंह राशि में गोचर करने की तिथि पर सिंह संक्रांति मनाई जाएगी। इस प्रकार 17 अगस्त को सिंह संक्रांति मनाई जाएगी। इस दिन पुण्य काल सुबह 05 बजकर 24 मिनट से लेकर दोपहर 11 बजकर 53 मिनट तक है। वहीं, महा पुण्य काल सुबह 05 बजकर 24 मिनट से लेकर सुबह 07 बजकर 33 मिनट तक है। इस समय में साधक स्नान-ध्यान कर सूर्य देव की पूजा एवं साधना कर सकते हैं।

सिंह संक्रांति शुभ योग:
ज्योतिषियों की मानें तो सिंह संक्रांति पर कई मंगलकारी योग बन रहे हैं। सिंह संक्रांति पर अभिजीत मुहूर्त योग का संयोग सुबह 11 बजकर 27 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 19 मिनट तक है। इसके साथ ही पूर्व रोहिणी नक्षत्र का संयोग है। इन योग में सूर्य देव की पूजा करने से आरोग्य जीवन का वरदान मिलेगा।

पंचांग

सूर्योदय –	सुबह 05 बजकर 24 मिनट पर
सूर्यास्त –	शाम 06 बजकर 23 मिनट पर
ब्रह्म मुहूर्त –	सुबह 03 बजकर 56 मिनट से 04 बजकर 40 मिनट तक
विजय मुहूर्त –	दोपहर 02 बजकर 03 मिनट से 02 बजकर 55 मिनट तक
गोधूलि मुहूर्त –	शाम 06 बजकर 23 मिनट से 06 बजकर 45 मिनट तक
निशिता मुहूर्त –	रात 11 बजकर 32 मिनट से 12 बजकर 16 मिनट तक

घर की किस दिशा में केले का पौधा लगाना शुभ

हिंदू धर्म में वास्तु शास्त्र को बहुत ही महत्वपूर्ण माना गया है। वास्तु शास्त्र में घर की हर छोटी से लेकर बड़ी वस्तु को रखने के कुछ नियम बताए गए हैं। साथ ही इसमें कुछ ऐसे पौधों का भी जिक्र है जिन्हें घर में लगाने से व्यक्ति को शुभ फलों की प्राप्त होती हैं। इन्हीं में से एक है केले का पेड़। आइए जानते हैं कि वास्तु के अनुसार, केले का घर में किस दिशा में लगाना चाहिए।

केले के पेड़ का महत्व
सनातन मान्यताओं के अनुसार, केले के पेड़ में भगवान विष्णु, माता लक्ष्मी और गुरुदेव बृहस्पति का वास होता है। इसलिए इसका इस्तेमाल मांगलिक कार्यों में विशेष रूप से किया जाता है। गुरुवार के दिन केले के पेड़ की पूजा करने का विशेष महत्व है।

इस दिशा में लगाएं केले का पौधा
वास्तु शास्त्र के अनुसार, उत्तर दिशा में देवी-देवताओं का वास माना गया है। इसलिए अगर आप केले के पेड़ को घर में लगाने की योजना बना रहे हैं तो इसके लिए उत्तर दिशा सबसे उत्तम मानी जाती है।

इन बातों का रखें ध्यान

केले के पेड़ को कभी भी पूर्व या दक्षिण दिशा के आग्नेय कोण में नहीं लगाना चाहिए। इसके अलावा, वास्तु शास्त्र में पश्चिम दिशा में भी केले का पेड़ लगाना सही नहीं माना गया। साथ ही घर के मुख्य द्वार के सामने नहीं लगाना चाहिए। क्योंकि इससे घर में आने वाली सकारात्मक ऊर्जा अवरुद्ध हो सकती है। वास्तु के अनुसार केले के पेड़ के आसपास कोई कांटेदार पौधे जैसे गुलाब आदि नहीं लगाना चाहिए। इससे घर में लड़ाई-झगड़े की स्थिति उत्पन्न होती है। केले के पेड़ को कभी सूखने न दें। इसके अलावा, केले के पेड़ में कभी भी गंदा पानी नहीं डालना चाहिए।

फेस क्लीन-अप के बाद नहीं करने चाहिए ये काम

स्किन पर ग्लो बनाए रखने के लिए लोग 15 दिन में क्लीनअप कराते हैं। इससे चेहरे क्लीन और ग्लोइंग बना रहता है और फेस पर पिंपल और एक्ने नहीं निकलते है लेकिन इस स्किन ट्रीटमेंट लेने के बाद आपको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए नहीं तो फिर आपकी मेहनत पर पानी फिर सकता है। यह आपकी स्किन को डैमेज कर सकता है। क्लीअप कराने के बाद भी आपको कुछ खास चीजों का ध्यान जरूर रखना चाहिए। वरना स्किन का निखार खराब हो जाएगा। चलिए जानते हैं इन जरूरी बातों के बारे में।

- क्लीनअप कराने के बाद स्किन थोड़ी चिपचिपे हो जाती है, ऐसे में लोग पानी से ज्यादा साफ करने लगते हैं। इससे स्किन पर इस्तेमाल किए गए प्रोडक्ट का असर कम हो जाता है। आप इस ट्रीटमेंट को कराने के बाद 6-7 घंटे बाद अपने चेहरे को साफ करें पानी से।
- क्लीनअप कराने के बाद आप बहुत ज्यादा हैवी मेकअप ना करें। क्योंकि क्लीनअप के बाद स्किन सेंसेटिव हो जाती है। ऐसे में जब आप इसमें ज्यादा मेकअप करेंगी तो इसे काफी नुकसान पहुंचेगा।
- वहीं, क्लीनअप कराने के बाद आप चेहरे को बार-बार ना छुएं इससे स्किन पर रैशेज पड़ सकते हैं। इससे स्किन पर बैक्टीरिया लग जाते हैं, जो स्किन इंफेक्शन का कारण बनते हैं।
- क्लीनअप कराने के बाद तुरंत धूप में जाने से बचना जरूरी होता है। फेशियल करने के बाद त्वचा अधिक नाजुक हो जाती है और धूप, धूल या दूसरी गंदगी इसके लिए हानिकारक हो सकती है। इसलिए, किसी तरह की एलर्जी से बचने के लिए फेशियल के बाद धूप में जाने से बचें।

5. अगर आप चेहरे पर वैक्सीन कराते हैं तो बेहतर होगा कि आप क्लीनअप से पहले ही इसे करा लें। दरअसल क्लीनअप के कुछ घंटों बाद तक स्किन सेंसिटिव रहती है। ऐसे में अगर आप चेहरे पर वैक्सीन कराएंगे तो स्किन को डैमेज हो कर सकता है।

न्यू बॉर्न बेबी को क्यों हो जाता है पीलिया

न्यू बॉर्न बेबी को पीलिया हो जाना बहुत आम बात है। हालांकि, यह बच्चे में एक से दो हफ्ते के अंदर आसानी से ठीक हो जाता है। अगर पीलिया ज्यादा है, तो बच्चे को हॉस्पिटल में भर्ती कराना पड़ सकता है। यहां जानिए न्यू बॉर्न बेबी को क्यों हो जाता है।

पीलिया और किन लक्षणों पर रखें नजर-
पीलिया अविकसित लिवर के कारण होता है। ज्यादातर न्यूबॉर्न बेबी इसकी चपेट में आ सकते हैं। लिवर खून से बिलीरुबिन को साफ करने का काम करता है, लेकिन जिन बच्चों का लिवर सही तरह से विकसित नहीं हो पाता उन्हें बिलीरुबिन को फिल्टर कर पाने में मुश्किल होती है। ऐसे बच्चों को पीलिया का खतरा होता है। रिपोर्ट्स की मानें तो अगर मां का ब्लड ग्रुप नेगेटिव है और बेबी का ब्लड ग्रुप पॉजिटिव है, तो न्यू बॉर्न को पीलिया हो सकता है।

इन लक्षणों पर दें ध्यान-
न्यूबॉर्न में पीलिया का स्पष्ट लक्षण स्किन का पीला पड़ना है। यह चेहरे से शुरू होता है, फिर छाती और पेट और फिर पैरों पर दिखाई देने लगता है। स्किन के अलावा बेबी की आंखों का सफेद भाग भी पीला पड़ जाता है। इसी के साथ बच्चे के शरीर में बिलीरुबिन का लेवल बढ़ने से भी बेबी को नींद आ सकती है और वह चिड़चिड़ा हो सकता है। रिपोर्ट्स का कहना है कि सांवली स्किन पर पीलिया की पहचान करना मुश्किल होता है। ऐसे में बच्चे की स्किन को दबाकर यह देखें कि उंगली उठाने पर वह हिस्सा पीला है या नहीं। यदि यह पीला है तो यह पीलिया होने का संकेत हो सकता है।

हेल्दी रहने के लिए करें एक्रो योगासन

अगर आप योग की कला में पहले से एक्सपर्ट है और इसमें कुछ नया ट्राई करना चाहते हैं, तो आप एक्रो योगासन करने की कोशिश कर सकते हैं। एक्रोबेटिक योग या एक्रो योग आजकल काफी ट्रेंड कर रहा है। इन्हें एक्रो योग पोज में से आज हम आपके लि कुछ आसान और इंटरेस्टिंग योग पोज लेकर आए हैं। अगर आपने योग करना अभी शुरू ही किया है, तो इन एक्रो योगासनों को करना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। ऐसे में आप योग का अभ्यान करते रहें। एक्रो योग में आपको एक पार्टनर की जरूरत होती है। एक्रो योग योगासन और कलाबाजी के मिश्रण को जोड़कर किया जाता है। इस योग में आप पोज बनाने के लिए मजबूती और खिंचाव के लिए गुरुत्वाकर्षण और अपने शरीर के वजन का उपयोग करते हैं। इस योगासन में किसी अन्य व्यक्ति के साथ जुड़ना और मुद्रा के दौरान समर्थन के लिए एक दूसरे पर विश्वास करना शामिल है। एक्रो योग एक साथ काम करने और साझेदारी बनाने के बारे में है।

1. फ्रंट बर्ड पोज :- फ्रांट बर्ड पोज करने के लिए एक व्यक्ति जो नीचे रहेगा अपनी पीठ के बल लेट जाएं। इसके बाद फ्लायर को बेस के शीर्ष पर खड़े होकर हाथ मिलाना होता है। इस दौरान आधार अपने पैरों को फर्श से ऊपर उठाकर पैरों के तलवे आसमान की ओर ऊपर की ओर उठाए। ऊपर हवा में उड़ने वाले को कूल्हों और पैरों को हवा में उठाकर इस पोज को पूरा करना चाहिए।

2. स्टार पोज :- स्टार पोज में आधार को उसकी पीठ के बल फर्श पर लेटना चाहिए। इसके बाद फ्लायर को बेस के शीर्ष पर खड़े होकर हाथ मिलाना होता है। इस दौरान आधार अपने पैरों को फर्श से ऊपर उठाकर पैरों के तलवे आसमान की ओर ऊपर की ओर उठाए। ऊपर हवा में उड़ने वाले को कूल्हों और पैरों को हवा में उठाकर इस पोज को पूरा करना चाहिए।

3. बैक बर्ड पोज :- दंडासन पोज की स्थिति में फ्लायर को बेस की टांगों के पीछे की तरफ मुंह करके बैठना चाहिए। आधार को उसके घुटनों को मोड़ना चाहिए ताकि उड़ने वाले के नितंब उसके पैरों के तलवों पर आराम से बैठ जाएं। हवा में फ्लायर अपनी बाहों को पीछे की ओर फैलाते हुए हथेलियां को बाहर की ओर खोले ताकि वो आधार के हाथों तक पहुंच सके। इस पोज में फ्लायर पीछे की ओर झुके और बेस अपने पैरों को सीधा करे। उड़ने वाला अपने बाएं पैर को सीधा करते हुए दाएं पैर को मोड़ ले। इस पोज के अंतिम चरण में सेमी बैकबेंड पोजीशन में पीछे की ओर स्ट्रेच करना चाहिए।

लेटकर खाना खाने के नुकसान

अगर आपके बच्चे को पीठ या पेट के बल लेटकर खाना खाने की आदत है तो उसे तुरंत समय रहते बदल दें। बिस्तर में लेटकर खाना खाना एक बुरी आदत में शामिल होता है। ऐसा करने वाले बड़ों या बच्चों को सेहत से जुड़े कई बड़े नुकसान उठाने पड़ सकते हैं। खाने का पॉश्चर ठीक नहीं होने पर मोटापा बढ़ने, पेट संबंधित समस्या से लेकर खाना फूड पाइप में अटकने तक जैसी समस्याएं परेशान कर सकती हैं। आइए जानते हैं पीठ के बल लेटकर खाने से क्या नुकसान होते हैं और क्या होना चाहिए खाना खाने का सही तरीका।

पाचन पर पड़ता है बुरा असर- लेटकर खाना खाने वाले लोगों का पाचन अक्सर खराब रहता है। दरअसल, पीठ के बल लेटकर खाना खाने से भोजन ठीक तरह से पचता नहीं है। जिससे व्यक्ति को पेट संबंधित समस्याएं जैसे पेट दर्द,गैस हो सकती है।

फूड पाइप में अटक सकता है भोजन- लेटकर खाना खाने से भोजन फूड पाइप में अटक सकता है। जो बाद में परेशानी का सबब बन सकता है। ये पॉश्चर खाने के लिये ठीक नहीं है। अपनी इस आदत को तुरंत छोड़ दें।

स्किन एलर्जी- विशेषज्ञ मानते हैं कि आपके खाने और सोने की जगह अलग-अलग होनी चाहिए। बिस्तर पर लेटकर खाने से चादर खाना गिरने से गंदी हो जाती है। गंदे बिस्तर पर सोने से व्यक्ति को कई बार स्किन एलर्जी या रैशेज की समस्या भी हो सकती है।

मोटापा- बिस्तर पर लेटकर भोजन करने से व्यक्ति को वजन बढ़ने की शिकायत हो सकती है। यही वजह है कि पहले के समय में लोग नीछे बैठकर खाना खाते थे, जिसे भोजन के लिए सही पॉश्चर भी माना जाता है। बैठकर भोजन करने से पेट की मसल्स ठीक तरह काम करती हैं और खाना आसानी से पच जाता है।

नींद प्रभावित- बिस्तर पर लेटकर खाना खाने से नींद भी प्रभावित हो सकती है। बिस्तर पर खाना खाने से खाने के कण बेड पर चिपक जाते हैं जिसकी वजह से वहां कीटाणु पनपने लगते हैं और बिस्तर से बदबू आने लगती है। जिससे व्यक्ति की नींद प्रभावित हो सकती है। ऐसे में कोशिश करें कि बिस्तर पर बैठकर खाना न खाएं, अगर बेड पर खाना खाना भी पड़ता है तो पहले चादर के ऊपर कोई अखबार या कपड़ा बिछा लें।

ये है खाना खाने का सही तरीका-
भोजन करने के लिए फर्श पर सीधी स्थिति में बैठना सबसे अच्छी स्थिति मानी जाती है।
अपनी प्लेट को जमीन पर रखें और खाने के लिए अपने शरीर को थोड़ा आगे की ओर लेकर आएं और फिर वापस पुरानी स्थिति में वापस चले जाएं। भोजन करने के इस तरीके से पेट की मांसपेशियां सक्रिय हो जाती हैं, जिससे पेट में एसिड के स्राव को बढ़ाने में मदद मिलती है और भोजन आसानी से पच जाता है।
अपने पाचन को अच्छा बनाए रखने के लिए टेबल पर बैठकर खाना शुरू करें।
अपने भोजन के लिए एक निश्चित समय तय करें। ऐसा करने से आपको समय पर ही भूख लगेगी। खाना खाते समय टीवी या फोन न देखें। इससे आपको अपनी भूख का अंदाजा नहीं रहेगा और ज्यादा खाने से आपका वजन बढ़ जाएगा।

घर में ऐसे बनाएं सब्जी मसाला

आजकल लोग रोजमर्रा के खाने में पैकेट वाले मसालों का इस्तेमाल करते हैं। मार्केट में कई तरह के मसाले आसानी से मिल जाते हैं। खासतौर पर स जी बनाने के लिए कई तरह के स जी मसाले मिलते हैं। जिसे लगभग हर घर में इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन अगर आप अपने स जी को नया स्वाद देना चाहती हैं तो घर में खास टिप्स की मदद से स्पेशल स जी मसाला बनाकर तैयार कर सकती हैं। बिल्कुल ऑर्गेनिक और बिना हार्मफुल केमिकल के तैयार स जी मसाला किसी भी स जी में डाला जा सकता है। जानें बनाने का तरीका।

- मोटे तले की कड़ाही या पैन लें। इसमे धनिया, सौंफ, जीरा, सफेद तिल को ड्राई रोस्ट कर लें। फिर खसखस डालकर भूनें। गैस की फ्लेम को बंद कर दें।
- इन खड़े मसालों को किसी प्लेट में निकाल दें और फिर मूंगफली को ड्राई रोस्ट करके खड़े मसालों में मिला लें।
- दो चम्मच तेल डालें और चने की दाल को तेल में सुनहरा होने तक भूनें। साथ में उड़द दाल और सूखी साबुत लाल मिर्च डालकर तेल में ही फ्राई करें। जब दालें फ्राई हो जाए तो इसी में लहसुन और करीपत्ता मिक्स कर दें।
- अच्छी तरह से मिक्स करने के बाद नारियल का सूखा पाउडर मिक्स कर दें।
- सारी चीजों को अच्छी तरह से भून कर गैस की फ्लेम बंद कर दें। अब ग्राइंडर जार में सबसे पहले ड्राई रोस्ट खड़े मसालों को अच्छी तरह से पीसकर पाउडर बना लें। जब ये पाउडर बन जाएं तो इसे अलग निकाल दें।
- अब तेल में तली दाले, लहसुन, मिर्चा और नारियल को पीस लें। जब ये पिस जाए तो सारे खड़े मसालों के पाउडर को मिलाकर एक बार फिर मिक्सी में ब्लेंड करें।

संक्षिप्त समाचार

जवाहर नवोदय विद्यालय डोंगरगढ़ में धूमधाम से मना स्वतंत्रता दिवस

डोंगरगढ़। जवाहर नवोदय विद्यालय डोंगरगढ़ में 15 अगस्त का पर्व उत्साह, उमंग और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रशिक्षु आईएएस एम. भार्गव रहे। उन्होंने ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी, जिसके बाद राष्ट्रगान हुआ। विद्यालय प्राचार्य संजय कुमार मंडल ने पुष्पगुच्छ भेंट कर अतिथि का स्वागत किया और अपने संबोधन में विद्यार्थियों को वीर सपूतों के बलिदान से प्रेरणा लेकर जीवन में आगे बढ़ने की सलाह दी। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति गीत, भाषण, योग, एरोबिक व सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। कक्षा 7वीं की उजाला ने गीत, कक्षा 12वीं की दाक्षि उईके ने भाषण, कक्षा 7वीं के हिमांशु ने समूह के साथ योग प्रदर्शन, वहीं कक्षा 8वीं के मनन राज ने अंग्रेजी भाषण प्रस्तुत किया। आंध्रप्रदेश से आए छात्रों ने तेलुगु गीत प्रस्तुत कर सबका दिल जीता। इसी कड़ी में रोली, जाह्नवी और समूह ने एरोबिक, जबकि कक्षा 6वीं के जिज्ञास व हर्ष ने नन्हा मुन्ना राही हूं गीत पर नृत्य किया। मुख्य अतिथि श्री भार्गव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए 15 अगस्त का महत्व बताया और आश्वासन दिया कि वे भविष्य में भी विद्यालय आकर बच्चों को मार्गदर्शन देंगे। उन्होंने नवोदय विद्यालय को देश के श्रेष्ठ शैक्षणिक संस्थानों में से एक बताते हुए बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर उच्च पदों तक पहुंचने की प्रेरणा दी। गणित शिक्षक अशोक कुमार बिसेन ने धन्यवाद ज्ञापित किया और हिंदी शिक्षक रामकुमार चंद्रा ने कार्यक्रम का संचालन किया। इधर, विद्यालय से 150 विद्यार्थियों की टीम गणित शिक्षक स्नेह अग्रवाल के नेतृत्व में राजनांदगांव जिला स्तरीय कार्यक्रम में शामिल हुई। वहां भी बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक उपस्थित रहे और सहयोग से समारोह को सफल बनाया।

2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में शिक्षा की भूमिका अहम : वीआईटी चांसलर डॉ. जी. विश्वनाथन

वेल्लोर: वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (VIT) के चांसलर डॉ. जी. विश्वनाथन ने कहा कि भारत को वर्ष 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए शिक्षा का विकास अत्यंत आवश्यक है। वे आज वीआईटी के 40वें दीक्षांत समारोह को कर रहे थे संबोधित। समारोह में सर्वोच्च न्यायालय के जस्टिस आर. महादेवन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और स्नातकों को डिग्री प्रमाण पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर 8,310 ग्रेजुएट छात्रों को , 2,802 पोस्टग्रेजुएट को और 451 छात्रों को डॉक्टरेट की उपाधि दी गई। इसके अलावा 203 छात्रों को उनकी रैंकिंग के आधार पर सम्मानित किया गया, जबकि 68 आउटस्टैंडिंग छात्रों को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। तमिलनाडु पुलिस अकादमी के निदेशक डीजीपी संदीप राय राठौर को आपदा प्रबंधन में पीएच.डी. की उपाधि दी गई। द टाइम्स ऑफइंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शिवकुमार सुंदरम विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और विद्यार्थियों को संबोधित किया। दीक्षांत समारोह में वीआईटी के उपाध्यक्ष शंकर विश्वनाथन, शेखर विश्वनाथन और जी.वी. सेल्वम, ट्रस्टी रमणी बालासुंदरम, कार्यकारी निदेशक संध्या पेंटरेड्डी, सहायक उपाध्यक्ष काधंबरी एस. विश्वनाथन, कुलपति वी.एस. कंचना भास्करन, सहायक कुलपति पार्थसारथी मलिक और रजिस्ट्रार टी. जयभारती सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। विश्वनाथन ने भारत के ग्रॉस डोमेस्टिक प्रोडक्ट का 6 प्रतिशत शिक्षा पर खर्च करने की लंबे समय से चली आ रही मांग को दोहराया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में केवल 3 प्रतिशत ही शिक्षा पर खर्च किया जा रहा है। उन्होंने बताया, शिक्षा पर होने वाले खर्च का 75 प्रतिशत राज्य सरकारें वहन करती हैं, जबकि शेष केंद्र सरकार देती है। तमिलनाडु पूरे देश में अग्रणी है, जहाँ राज्य के बजट का 21 प्रतिशत शिक्षा पर खर्च किया जाता है। उन्होंने इस बात पर भी चिंता जताई कि केंद्र सरकार अपने 55 लाख करोड़ रुपये के बजट का मात्र 2.5 प्रतिशत शिक्षा पर खर्च करती है। वर्तमान में उच्च शिक्षा में 4.3 करोड़ विद्यार्थी नामांकित हैं। नई शिक्षा नीति के अनुसार सकल नामांकन अनुपात (त्रश्वक्र) को 50 प्रतिशत तक बढ़ाना है, जिसके लिए विद्यार्थियों की संख्या को 8 करोड़ तक ले जाना होगा। इसके लिए अधिक कक्षाओं, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और पर्याप्त वित्तीय सहायता की आवश्यकता होगी। डॉ. विश्वनाथन ने कहा कि भारतीय विश्वविद्यालय अब भी वैश्विक रैंकिंग में पीछे हैं। वीआईटी फिलहाल शीर्ष 500 विश्वविद्यालयों में शामिल है।

श्री कृष्ण जन्मोत्सव पर भव्य दही हांडी उत्सव, शुकरु कैम्प बनी विजेता

लौह नगरी में स्पिरिट बॉयज समिति ने मनाया दही हांडी उत्सव, गोविंदाओं ने बांधा समा

दंतेवाड़ा किरंदुल। श्री कृष्ण जन्मोत्सव के पावन अवसर पर लौह नगरी किरंदुल के फुटबॉल ग्राउंड में शनिवार शाम 5:30 बजे स्पिरिट बॉयज समिति के तत्वाधान में भव्य दही हांडी मटकी फोड़ उत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में नगर के सनातनी समुदाय ने एकजुट होकर उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। कई दिनों से स्पिरिट बॉयज आयोजन समिति के संरक्षक मंडली और युवाओं की एक बड़ी कमेटी इस आयोजन को भव्य बनाने में जुटी थी।

महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिनके लिए विशेष रूप से कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। नन्हे-मुन्ने गोविंदाओं को भी मटका फोड़ने का अवसर मिला, जिसमें छोटे-छोटे बच्चों ने दही हांडी फोड़कर सभी का मन मोह लिया। बड़े गोविंदाओं के लिए आयोजित दही हांडी प्रतियोगिता में किरंदुल, बचेली और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया। शानदार प्रदर्शन के साथ शुकरु कैम्प की टीम विजेता बनी और उन्हें 10,000 रुपये का नगद पुरस्कार दिया गया, जबकि उपविजेता टीम को 7,000 रुपये का पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान मैदान में हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की और नंद के आनंद भयो, तीनों लोक गीत लियो जैसे जयकारों की गूंज रही। आयोजन के समापन पर प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष रूबी सिंह, एनएमडीसी किरंदुल परियोजना के अधिशासी निदेशक रविन्द्र नारायण, कार्मिक प्रमुख के.एल. नागवेणी, उप महाप्रबंधक कार्मिक तनवीर जावेद, सिविल प्रमुख एस.के. पाण्डे, श्रमिक संघ एटक के अध्यक्ष देवरायलु, सचिव राजेश संधू, कार्यकारी अध्यक्ष रोशन मिश्रा, पालिका उपाध्यक्ष बबलू सिद्दीकी जोविंस पापाचंद सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

धूमधाम से मनी जन्माष्टमी, निकली श्रीकृष्ण झांकी रैली

राजनांदगांव (समय दर्शन)। शहर में जन्माष्टमी का पर्व शनिवार को हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। यादव समाज की ओर से भगवान श्रीकृष्ण की नयनाभिराम झांकी रैली निकाली गई। डीजे की भक्ति धुनों पर समाज के लोग झूमते नजर आए। जगह-जगह पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया गया।

भाद्रपद मास की अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र पर हर साल मनाए जाने वाले इस पर्व को इस बार भगवान श्रीकृष्ण का 5252वां जन्मोत्सव माना गया। मंदिरों और घरों में देर रात तक पूजा-अर्चना व भजन-कीर्तन का दौर चलता रहा। इस वर्ष जन्माष्टमी पर अमृतसिद्धि और सर्वार्थसिद्धि के साथ ही वृद्धि, ध्रुव, श्रीवत्स, गजलक्ष्मी, ध्वांक्ष और बुधादित्य योग का संयोग बनने से पर्व का महत्व और भी बढ़ गया। शोभायात्रा में यादव समाज के अलावा विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल और अन्य संगठनों के कार्यकर्ता भी शामिल हुए। नगरवासियों ने जगह-जगह स्वागत कर माहौल को भक्तिमय बना दिया। प्रदेश उपाध्यक्ष हरीश यादव ने कहा कि अधर्म के विनाश और धर्म की स्थापना के लिए भगवान विष्णु ने श्रीकृष्ण के रूप में अवतार लिया। उन्होंने कंस जैसे दुष्ट का संहार कर जगत में प्रेम, सौहार्द, मित्रता, धर्म, स्नेह और त्याग का आदर्श स्थापित किया। जन्माष्टमी के दिन उपवास और श्रीकृष्ण की पूजा करने से सुख-समृद्धि, सौभाग्य और संतान सुख की प्राप्ति होती है।

पूरी यात्रा में मधुसूदन यादव, महेंद्र यादव, महेश यादव, मन्ना यादव, दुर्गेश यादव, दुर्गा यादव, भोला यादव, किशुन यदु, लक्ष्मण यादव, भूषण नरेश यादव, सुरेश यादव सहित समाज के प्रमुखजन उपस्थित रहे।

आदिवासी गोंड़ समाज के नवीन भवन का लोकार्पण, विधायक इंद्रशाह मंडावी हुए शामिल

राजनांदगांव (समय दर्शन)। ग्राम पार्रीकला में आदिवासी गोंड़ समाज के नवीन भवन का लोकार्पण व सम्मान समारोह शनिवार को हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। यह भवन राज्य की कांग्रेस सरकार के दौरान तत्कालीन प्रभारी मंत्री अमरजीत भगत द्वारा प्रदत्त राशि से निर्मित किया गया है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मोहला-मानपुर विधायक इंद्रशाह मंडावी थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्य युवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष जितेंद्र मुदलियार, शहर उत्तर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष आसिफअली, वरिष्ठ कांग्रेसी प्रेम रुचंदानी, प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता अभिमन्यु मिश्रा, पार्षद अमित कुशवाहाए आदिवासी ब्लॉक अध्यक्ष ललित कुमरे, राजिक सोलंकी, अल्पसंख्यक विभाग अध्यक्ष राजा खान एवं युवा नेता सलमान खान सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

समाज प्रमुख कुंवर सिंह मंडावी, धनेश ठाकुर, गोपाल ठाकुर व अमरल मरकाम ने सभी अतिथियों का गमछा पहनाकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।

अपने उद्बोधन में विधायक इंद्रशाह मंडावी ने कहा कि कांग्रेस हमेशा से आदिवासी समाज की हितैषी रही है। वनाधिकार पट्टों से लेकर पेसा कानून तक, हर मोर्चे पर समाज के उत्थान के लिए काम किया गया है। उन्होंने कहा कि स्वयं उन्होंने कठिन परिस्थितियों से संघर्ष कर आज यह मुकाम हासिल किया है और जनता का आशीर्वाद पाकर सेवा करना उनका दायित्व है।

उन्होंने समाजजनों से आग्रह किया कि भवन का उपयोग सभी समाज के लोग कर सकें, इसके लिए इसे नि:शुल्क उपलब्ध कराया जाए। कार्यक्रम के बाद विधायक ने भवन परिसर में वृक्षारोपण किया और ग्राम की जन्माष्टमी पूजा में शामिल होकर आशीर्वाद लिया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे, जिनमें ज्ञानदास मानिकपुरी, आसाराम रामटेके, देवीलाल सोनकर, भागवत दास साहू, योगेश दास मानिकपुरी, शीतल प्रसाद साहू, नोहर साहू, राजेंद्र कुमार साहू, लोकेश रजक, सूरज रजक, पारस मरकाम, हीरालाल मरकाम सहित अनेक लोग शामिल थे।

इन्फिनिक्स जीटी 30 5जी+ की सेल फ्लिपकार्ट पर शुरू, सीमित समय के लिए खरीदें 17,999 रुपये के विशेष शुरुआती मूल्य में

नई दिल्ली। 20,000 रुपये से कम के सेगमेंट में सबसे बेहतर गेमिंग स्मार्टफोंस में से एक, इन्फिनिक्स जीटी 30 5जी+ की सेल फ्लिपकार्ट पर शुरू हो गई है। इस सेल में स्मार्टफोन की सीमित यूनिट 17,999 रुपये के विशेष मूल्य में उपलब्ध हैं, जिसमें सभी लॉन्च ऑफर शामिल हैं। स्टॉक रहने तक यह स्मार्टफोन इसी विशेष मूल्य में मिलेगा। जीटी 30 5जी+ में शार्प ज्योमेट्रिक लाईन्स के साथ साईबर मेचा 2.0 डिज़ाईन दिया गया है, जो इसे बहुत ही आकर्षक बनाता है। यह स्मार्टफोन साईबर ग्रीन, पल्स ब्लू और ब्लेड व्हाईट रंगों में उपलब्ध है। इसके बैक पैनल में प्रोग्रामेबल व्हाईट एलईडी लाईटिंग दी गई है, जो चार्जिंग, म्यूज़िक और नोटिफिक्रेशंस के लिए डायनामिक प्रतिक्रिया देती है। साथ ही यह 5500 एमएएच की बैटरी और 45वॉट फास्ट चार्जिंग, बायपास चार्जिंग के साथ आता है, ताकि गेमप्ले के दौरान हीट कम उत्पन्न हो। वायर्ड रिवर्स चार्जिंग होने के कारण इससे अन्य डिवाईस को भी चार्ज किया जा सकता है। जीटी 30 5जी+ मोबाईल गेमर्स के लिए डिज़ाईन किया गया है। इसमें सेगमेंट का पहला जीटी शोल्डर गेमिंग ट्रिगर है, जो गेमर्स को स्क्रीन स्पेस गंवाए बिना कंसोल-ग्रेड का कंट्रोल प्रदान करता है। इन ट्रिगर्स को इन-गेम एक्शंस, जैसे शूटिंग या स्प्लिट-सेकंड रिस्पॉन्सिवनेस तथा दैनिक टास्क, जैसे ऐप लॉन्च या ऐप शॉर्टकट्स या मीडिया कंट्रोल के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। मीडियाटेक डायमेंसिटी 7400 प्रोसेसर, 779,000 के एंटुटू स्कोर तथा 16जीबी तक की एलपीडीडीआर5एक्स रैम (वर्चुअल रैम सहित) के साथ, जीटी 30 5जी+ में क्राफ्टन-सर्टिफाईड बीजीएमआई 90एफ्पीएस सपोर्ट है। इसके साथ ही इसमें 6-लेयर 3डी वेपर चैंबर कूलिंग सिस्टम दिया गया है, जो 20 प्रतिशत बेहतर हीट डिसीपेशन प्रदान करता है। इसका डिस्प्ले प्रतिस्पर्धी बढ़त और व्यूईंग का दिलचस्प अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाईन किया गया है। 6.78 ईंच 1.5के एमोलेड पैनल और 144हर्ट्ज़ के रिफ्रेश रेट, 2160 हर्ट्ज़ के टच सैंपलिंग रेट तथा 4500 निट्स की पीक ब्राईटनेस के साथ यह अल्ट्रा-स्मूथ प्रेम रेट तथा कम इनपुट लैग प्रदान करता है, जिससे वास्तविक प्रतिस्पर्धी बढ़त मिलती है।

सुविधा और प्रदर्शन के दम पर वॉशर-ड्रायर कॉम्बो की बिक्री में वृद्धि कपड़े धोने के लिए उपभोक्ता। अपना रहे स्मार्ट तरीके

गुरुग्राम: भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने पूरे सीजन वॉशर-ड्रायर कॉम्बो की मांग में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की है। इस रुझान के पीछे स्मार्ट, जगह बचाने वाले और बहुउपयोगी लॉन्ड्री उपकरणों के प्रति उपभोक्ताओं की बढ़ती दिलचस्पी है। सैमसंग के हालिया उपभोक्ता अध्ययन में पता चला कि वॉशर-ड्रायर की मांग मौसम की परवाह किए बिना बढ़ रही है। प्रदूषण और धूल-मिट्टी के कारण कपड़ों पर जमने वाले कीटाणुओं से बचाव, कपड़े बाहर सुखाने की मेहनत से छुटकारा और ड्रायर की समान रूप से फैली गर्मी से दुर्गंध व बैक्टीरिया से मुक्त साफ कपड़े—ये सभी वजहें उपभोक्ताओं की पसंद को प्रभावित कर रही हैं। अनिश्चित मानसून, शहरी इलाकों में बढ़ती नमी और कपड़े सुखाने की जगह में कमी ने पारंपरिक लॉन्ड्री तरीकों को चुनौतीपूर्ण बना दिया है। खासकर युवा परिवार और मिलेनियल होमओनर्स अब ऐसे समाधान चाहते हैं जो तेज़ी से सुखाने, बड़ी क्षमता और कम मेहनत की सुविधा दें। सैमसंग के वॉशर-ड्रायर कॉम्बो इन्हीं आधुनिक चुनौतियों को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किए गए हैं, जो हर मौसम में फैब्रिक केयर, बेहतर स्पेस उपयोग और एआई-आधारित स्मार्ट वॉशिंग अनुभव प्रदान करते हैं। आज की जेन जी और मिलेनियल पीढ़ी के लिए कपड़े धोना केवल घरेलू काम नहीं, बल्कि स्मार्ट जीवनशैली की ओर बढ़ा कदम है।

सरयूपारिण महिला ब्राह्मण समाज के तीज मिलन में बिखरी खुशियां

बंगाली दुल्हन बनी नेहा तिवारी ने जीता तीज क्वीन का खिताब, संगीता दीवान ने प्राप्त किया द्वितीय स्थान

दुर्ग (समय दर्शन)। सरयूपारिण महिला ब्राह्मण समाज के तीज मिलन में जमकर खुशियां बिखरी। जलाराम सांस्कृतिक भवन सिविल लाईन में आयोजित रंगारंग तीज मिलन में देशभक्ति गीत-संगीत, तीज क्वीन के अलावा अन्य रोचक प्रतियोगिताएं आकर्षण का केंद्र रहें। तीज क्वीन प्रतियोगिता में महिलाएं विभिन्न राज्यों का प्रतिनिधित्व करते हुए पारंपरिक वेशभूषा धारण कर शामिल हुई । बंगाली दुल्हन बनी नेहा तिवारी ने तीज क्वीन का खिताब जीता, जबकि मराठी दुल्हन बनी संगीता दीवान ने प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा अन्य रोचक प्रतियोगिताओं में महिलाओं ने शानदार प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा साबित की। विजेता प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत कर उनका हौसला बढ़ाया गया। छत्तीसगढ़ी सरयूपारिण महिला ब्राह्मण समाज की अध्यक्ष संगीता शर्मा के नेतृत्व में आयोजित तीज मिलन समारोह की शुरूवात तीज के श्रृंगार से सुसज्जित महिलाओं द्वारा भगवान शंकर व माता पार्वती की पूजा अर्चना कर की गई। मंच संचालन अपर्णा तिवारी एवं आभार प्रदर्शन सचिव किरण मिश्रा ने किया। तीज मिलन समारोह में संरक्षक भारती दुबे, उपाध्यक्ष सरिता मिश्रा, कोषाध्यक्ष तनु मिश्रा, ममता तिवारी, रानी उपाध्याय, विशेष सलाहकार शीला चौबे, वरिष्ठ सदस्य शकुंतला शर्मा के अलावा भिलाई और रायपुर की महिला सदस्यों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया।

ब्रह्माकुमारीज केलाबाड़ी दुर्ग में जन्माष्टमी उत्सव का आयोजन

दुर्ग(समय दर्शन)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय राजऋषि भवन केलाबाड़ी दुर्ग में श्री कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव मनाया गया । इस अवसर पर युक्ति और मौसमी ,कृष्ण का रुप धारण कर व चंद्राणी और जागृति राधा का रुप धारण कर महारास किये । बेबी शिखा व कुँजल भी बाल कृष्ण का रुप धारण किये हुए थे ।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी व श्री कृष्ण संग गोपियों की महारास का आध्यात्मिक रहस्य बताते हुए ब्रह्माकुमारी रुपाली दीदी ने उपस्थित सभा को संबोधित करते हुए बताया श्री कृष्ण सर्वगुण संपन्न, 16 कला संपूर्ण, संपूर्ण निर्विकारी, मर्यादा पुरुषोत्तम देवता है जिनका जन्म मध्य रात्रि में कारागार में दिखाया जाता है । इस सृष्टि पर अनेक मनुष्य आत्माएं हैं जो भिन्न भिन्न-भिन्न नाम रूप धारण कर अपना-अपना पार्ट बजा रहें हैं । निराकार परमपिता परमात्मा शिव जो कि कलयुग के अंत व सतयुग के आदि पुरुषोत्तम संगमयुग पर सर्व मनुष्य आत्माओं को सर्वगुण संपन्न बनने की शिक्षा दे रहें है वह स्वयं से योग लगाकर सर्व विकारों से मुक्त होने की विधि सिखाते हैं । वैसे तो सृष्टि पर सभी मनुष्य आत्माओं के अच्छे व बुरे भिन्न-भिन्न संस्कार है किंतु निराकार परमात्मा यह सिखाते है सभी मनुष्य आत्माएं अपना-अपना पार्ट बजा रहे है जो मनुष्य आत्माएं भिन्न-भिन्न संस्कारों के वशीभूत आत्माओं के साथ प्रेम व सद्भाव पूर्ण व्यवहार करते हैं इसी को संस्कार मिलन का महारास कहा जाता है जब हम इस समय ऐसे अपना पार्ट बजाने का अभ्यास करते हो तो आने वाली नई सृष्टि सतयुग में सुख और शांतिमय जीवन के अधिकारी बनते हैं । श्री कृष्ण सर्प को अधीन कर उसके ऊपर नृत्य करते हैं उसका रहस्य हैआत्माओं में जो विकार है वही सांपों की भांति है जब हम इसे परमात्मा की याद से अपना अधीन बना लेते हैं तब यह हमारी शैया बना जाती है ।श्री कृष्ण के मुख में मक्खन दिखाते हैं मक्खन हल्का होता है तो किसी भी परिस्थिति में हम स्वयं हल्के रहें । अनेक पर्व में अनेक झांकियां लगाई जाती है किंतु अब हमें स्वयं के अंदर झांक कर अपनी बुराइयों को समाप्त कर सद्गुणों को धारण करना है ।

श्री कृष्ण का जन्म कारागार में जो दिखाते हैं उसका आध्यात्मिक अर्थ रुपाली दीदी ने बताते हुए कहा इस समय सभी मनुष्य मनुष्य आत्माएं काम,क्रोध,लोभ,मोह,अहंकार रुपी पाँच विचारों के कारागार में है । निराकार परमात्मा शिव सर्व मनुष्य आत्माओं को यह ज्ञान देते हैं आप सभी देह नहीं आत्मा हैं और जब आत्माओं को जब यह स्मृति आती है मैं देह नहीं आत्मा हूं और ऐसा समझ जब व्यवहार करते हैं तो सभी बुराईयाँ स्वत: दूर होने लगती है सर्वगुण संपन्न बन जाते हैं तभी नवीन सृष्टि सतयुग का उद्भव होता है ।

खबर-खास

मार्निंग वॉक काफी ग्रुप ने दी पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

रायपुर। श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई के पूण्य तिथि के अवसर पर हमारे मार्निंग वॉक काफी ग्रुप एवं एक नया प्रयास फाउंडेशन के द्वारा शंकर नगर चौपाटी में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन कर महा मानव पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई जी को श्रद्धांजलि अर्पित किया गया।इस अवसर पर शंकर नगर वार्ड के पार्षद राजेश गुप्ता जीएक नया प्रयास फाउंडेशन के अध्यक्ष अनूप खेलकर जी, एक नया प्रयास फाउंडेशन के कोषाध्यक्ष सुधीर कुमार चौबे जी, सरोरा के पूर्व सरपंच श्री बिहारी वर्मा जी, श्री डी.आर.साहू जी, श्री राधेश्याम राय जी, वरिष्ठ कार्यकर्ता सीताराम कुर्रे जी, रामानंद पांडे, मनोज पाण्डेय जी,झंगलू,पत्रकार दिलीप नामपल्लीवार जी,बबला ध्रुव जी,बबला साहू जी,रामेश्वर साहू जी, पप्पू साहू, राधेश्याम निषाद, लंकेश वर्मा, संतोष तांडी,कामेश साहू, सुभाष, रमैया बाघ, गणेश राव, राजेश राव,खाईंदो तांडी,शिव सोनपिपरे जी, आकाश लाल, मुकेश भाई,हर्ष भाई, अभिषेक वर्मा , विजय पांडेय एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बंगाली कैंप तालाब के समीप मार्ग को दुरुस्त करने का निर्णय

किरंदुल। बंगाली कैंप तालाब पारा स्थित तालाब के समीप के मार्ग को दुरुस्त करने का निर्णय लिया गया है। इस मार्ग की स्थिति लंबे समय से जर्जर बनी हुई है, जिसके कारण विशेष रूप से बारिश के मौसम में आवागमन करने वाले लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। आगामी त्योहारी सीजन को देखते हुए इस मार्ग का सुधार कार्य और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि विश्वकर्मा पूजा, गणेश पूजा और दुर्गा पूजा जैसे प्रमुख पर्वों के दौरान इस तालाब में मूर्ति विसर्जन किया जाता है। विसर्जन के समय इस मार्ग पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है, लेकिन उबड़-खाबड़ सड़क और फिसलन के कारण अक्सर दुर्घटनाएं होती हैं, जिससे कई लोग घायल हो जाते हैं।

इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए नगर पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेंद्र सिंह ने मार्ग के सुधार कार्य को शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा, श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा हमारी प्राथमिकता है। इस मार्ग का निर्माण कार्य जल्द शुरू किया जाएगा, ताकि गणेश विसर्जन और अन्य पर्वों के दौरान भक्तों को किसी भी असुविधा का सामना न करना पड़े।

इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेंद्र सिंह के साथ पार्षद देवकी ठाकुर, अभियंता सिन्हा, नगर पालिका अधिकारी शशि भूषण महापात्र, कमलेश वर्मा और पूर्व पालिका अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह उपस्थित थे।

रायपुर गारमेंट फेयर एक बार फिर लौटा रामा वर्ल्ड में, 2500+ खुदरा विक्रेताओं ने की भागीदारी

रायपुर। रामा ग्रु द्वारा विकसित प्रीमियम शॉपिंग डेस्टिनेशन 'रामा वर्ल्ड' ने 29 से 31 जुलाई तक रायपुर होलसेल होज़ियरी एंड रेडीमेड डीलर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित रायपुर गारमेंट फेयर 2025 के वेन्यू पार्टनर के रूप में भागीदारी की। यह आयोजन ऑटम-विंटर सीज़न के लिए क्षेत्र का सबसे बड़ा और बहुप्रतीक्षित B2B परिधान व्यापार एक्सपो माना जाता है। फेयर का यह चौथा सफल संस्करण था, जिसमें छत्तीसगढ़, ओडिशा और मध्य प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए 2500+ कपड़ा खुदरा विक्रेताओं ने भाग लिया, साथ ही रायपुर के प्रमुख प्रदर्शक भी उपस्थित रहे। यह एक्सपो अब क्षेत्र में रिटेल नेटवर्किंग, फैशन ब्रांड्स और व्यापार विस्तार का एक महत्वपूर्ण प्लेटफ़ॉर्म बन चुका है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों द्वारा किया गया, जिनमें श्री संत युधिष्ठिर लाल जी महाराज, छत्तीसगढ़ चैम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष श्री सतीश थौरानी, रायपुर होलसेल होज़ियरी एंड रेडीमेड डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री विनोद तलरेजा, और कार्यकारी अध्यक्ष श्री जसप्रीत सिंह सलूजा शामिल थे। उद्घाटन समारोह में दीप प्रज्वलन की रस्म अदा की गई जिसमें एसोसिएशन के प्रमुख और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

तीज महोत्सव में साहू समाज की महिलाओं ने रचाया सांस्कृतिक रंग...

सजी व्यंजन की बगिया...विविध खेल का हुआ आयोजन

गब्दी की मीरा साहू बनी तीज क्वीन.....

पाटन (समय दर्शन)। परंपरा जब आधुनिकता से जुड़ती है, तो समाज के भीतर एक नई ऊर्जा का संचार होता है। कुछ ऐसा ही दृश्य पाटन में उस समय नजर आया जब तहसील साहू संघ पाटन के महिला प्रकोष्ठ द्वारा तीज महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें समाज के 10 हजार से अधिक महिलाओं की उपस्थिति रही।

साहू सदन पाटन सांस्कृतिक रंगों से सराबोर हो गया। जहां एक ओर लोकगीतों की मधुर धुनें गूंज रही थीं, वहीं दूसरी ओर समाज की सशक्त महिलाएं पारंपरिक परिधानों में तीज के उत्सव को जीवंत कर रही थीं।

यह आयोजन सिर्फ पर्व का उत्सव नहीं था, बल्कि समाज में नारी शक्ति की भागीदारी, संस्कृति के प्रति जागरूकता और सामुदायिक एकजुटता का प्रतीक बनकर उभरा।

कार्यक्रम की शुरुआत भगवान कृष्ण एवं भक्त माता कर्मा की आरती के साथ हुआ।

समारोह की अतिथि वक्ता जिला पंचायत सभापति एवं नई पहल बर्तन बैंक की संचालिका श्रद्धा साहू ने कहा आज महिलाओं को वह मंच दिया गया, जहां पर वह खुलकर अपनी प्रतिभा और अपने विचार को सामने रख सकती हैं। उन्होंने प्लास्टिक के उपयोग से पर्यावरण और स्वास्थ्य दोनों को गंभीर नुकसान होते हैं। आप सब संकल्प ले कि हम सिंगल यूज़ प्लास्टिक का इस्तेमाल नहीं करेंगे।

डॉ सुमन साहू ने महिलाओं को महिलाओं को माहवारी के संबंध में झिझक या शर्म महसूस नहीं करनी चाहिए। यह एक प्राकृतिक शारीरिक प्रक्रिया है और इस बारे में खुलकर बात करना ज़रूरी है। माहवारी के बारे में जागरूकता फैलाना और इसे एक सामान्य विषय बनाना ज़रूरी है, ताकि लड़कियां और महिलाएं इस बारे में खुलकर बात कर सकें और अपनी समस्याओं को साझा कर सकें।

मानसमनी उपाधि से सम्मानित व्याख्याता हेमलता साहू ने कहा कि रामचरितमानस में परिवार को संवारने के लिए कई महत्वपूर्ण बातें बताई गई हैं। यदि परिवार के सदस्य इन बातों को अपने जीवन में अपनाते हैं, तो वे एक सुखी और समृद्ध जीवन जी सकते हैं।

समारोह को जिला महिला संयोजिका देवीश्री साहू, प्रदेश उपाध्यक्ष चंद्रिका साहू, जिला उपाध्यक्ष दिव्या कलिहारी, जिला पंचायत सभापति कल्पना साहू, पार्षद मालती साहू, जनपद सदस्य दामिनी साहू ने भी तीज महोत्सव के संबंध में संबोधित किया।

तहसील अध्यक्ष दिनेश साहू ने तीज पर्व की बधाई देते हुए कहा कि यह आयोजन केवल मनोरंजन के लिए नहीं है बल्कि समाज मातृ शक्तियों को सामाजिक संस्कार और शसक्त और आत्मनिर्भर बनाने का एक प्रयास है।

स्वागत भाषण तहसील उपाध्यक्ष सरिता साहू ने मंच संचालन गायत्री साहू एवं खेमलाल साहू ने किया।

मंच पर साहू समाज समाज की महिलाएं इस आयोजन के अवसर पर 16 श्रृंगार कर पहुंची हुई थी। महिलाओं को तीज क्वीन समारोह के लिए थीम दिया गया था कि वह सोलह सिंगार कर पहुंचे। जिसमें ग्राम गब्दी की मीरा साहू बनी तीज क्वीन बनी। तीज क्वीन एवं नृत्य ,प्रहसन,व्यंजन, रंगोली, फुगड़ी में प्रतिभागी महिलाओं को समाज द्वारा उपहार स्वरूप तीजा के लुगरा प्रदान किया गया।

स्वास्थ्य शिविर का हजारों ने लिया लाभ........ चिकित्सा प्रकोष्ठ संयोजक डॉ सुरेश साहू एवं हिमाचल साहू के संयोजन में विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा नि:शुल्क शिविर में हजारों ने स्वास्थ्य जांच किया। साहू समाज के चिकित्सकों द्वारा जांच उपरांत उन्हें उचित परामर्श एवं दवाई भी दी गई।

आभार प्रदर्शन कमलेश्वरी साहू ने किया।

मौके पर प्रमुख रूप से अश्वनी साहू, गंगादीन साहू, लालेश्वर साहू, धनराज साहू, विमला साहू, भूमिका गंजीर,उषा साहू, कोमिन साहू, भुनेश्वरी साहू, गीता साहू, खेमीन साहू, केंवरा,मोहन साहू,किशोर साहू,पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक साहू, जनपद सदस्य दिनेश साहू, किशन हिरवानी,डॉ सुरेश साहू,हरिशंकर साहू, धात्री साहू, होमीन साहू, ललिता साहू, प्रेमलता साहू, टेस राम साहू, रविशंकर साहू,कल्याण साहू, दुलेश्वर साहू सहित बड़ी संख्या में समाज के महिला एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

व्यवहारिक प्रशिक्षण में शुद्धता पर जोर, डिजिटल क्रॉप सर्वे में कोई त्रुटि न रहे - कलेक्टर शर्मा

कलेक्टर ने खिलौरा ग्राम में किया डिजिटल क्रॉप सर्वे का निरीक्षण

बेमेतरा/ समय दर्शन। प्रदेश शासन के निर्देशों के अनुरूप खरीफसीजन 2025 के लिए किसानों द्वारा बोई गई फसलों का डिजिटल रिकार्ड तैयार करने का कार्य बेमेतरा जिले में प्रारंभ हो गया है। इस कार्य को और अधिक पारदर्शी एवं सटीक बनाने के उद्देश्य से जिले में राजस्व अधिकारियों और पटवारियों को विशेष व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

इसी क्रम में आज कलेक्टर रणबीर शर्मा एवं अपर कलेक्टर डॉ. अनिल कुमार बाजपेई ने तहसील बेमेतरा के ग्राम खिलौरा में पहुंचकर डिजिटल क्रॉप सर्वे कार्य का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने पटवारियों से खेतों में खड़ी फसल का मोबाइल एप में एंट्री करने की प्रक्रिया का विस्तार से परीक्षण किया। उन्होंने कहा कि किसानों के खेत का सर्वे करते समय यह सुनिश्चित किया जाए कि फसल का प्रकार, रकबा, सिंचाई की स्थिति, खेत का भू-आकृति विवरण और आस-पास की सुविधाएँ (जैसे कुआँ, सड़क, नहर आदि) सही-सही दर्ज हों। किसी भी प्रकार की लापरवाही से सर्वे की सटीकता पर असर पड़ेगा, इसलिए पूरी गंभीरता और सावधानी से कार्य किया जाए। कलेक्टर ने बताया कि डिजिटल क्रॉप सर्वे किसानों के लिए लाभकारी साबित होगा, क्योंकि इस प्रक्रिया से जिले का एक पारदर्शी और वास्तविक डाटाबेस तैयार होगा। इससे किसानों को समर्थन मूल्य पर धान खरीदी, बीमा दावा, आपदा राहत तथा कृषि योजनाओं का सीधा लाभ मिल सकेगा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने यह भी कहा कि सर्वे के कार्य में पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय स्तर पर पढ़े-लिखे चयनित युवाओं को प्रशिक्षित कर सर्वेयर नियुक्त किया गया है। इन युवाओं को आधुनिक तकनीक और मोबाइल एप के माध्यम से डाटा एंट्री की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कलेक्टर ने कहा कि इससे न केवल रोजगार के अवसर बढ़ेंगे बल्कि सर्वे कार्य भी तेजी और सटीकता से पूरा होगा। अपर कलेक्टर डॉ. बाजपेई ने भी उपस्थित राजस्व अमले से चर्चा करते हुए कहा कि यह कार्य जिले के कृषि भविष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कर्मचारियों और सर्वेयर युवाओं को सलाह दी कि यदि सर्वे के दौरान किसी प्रकार की तकनीकी समस्या या व्यवहारिक कठिनाई आती है तो उसे तत्काल उच्च अधिकारियों के संज्ञान में लाएँ, ताकि समय रहते समाधान किया जा सके। निरीक्षण के अवसर पर कलेक्टर ने किसानों से भी संवाद कर उनकी फसलों की स्थिति और मौसम की परिस्थितियों की जानकारी ली। उन्होंने किसानों से कहा कि इस बार का डिजिटल सर्वे आगे आने वाले वर्षों के लिए भी आधार बनेगा, इसलिए सभी लोग सही जानकारी उपलब्ध कराने में सहयोग करें। इस मौके पर तहसीलदार बेमेतरा, संबंधित पटवारी, राजस्व निरीक्षक, विभागीय अधिकारी तथा नियुक्त सर्वेयर युवा उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री साय का सूरजपुर प्रवास 20 को

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर 20 अगस्त को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का सूरजपुर जिले में प्रवास कार्यक्रम प्रस्तावित है। कार्यक्रम हेतु तिलसिवां रोड अटल कुंज समीप स्थित मैदान प्रस्तावित है। कार्यक्रम के लिये वृहद स्तर पर तैयारियां चल रही है। आज प्रेमनगर विधायक श्री भूलन सिंह मराबी ने भी भी कार्यक्रम स्थल की तैयारियों का जायजा लिया व जिला पंचायत सभाकक्ष में तैयारियों के संबंध में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक भी ली । जिसमें कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु उपस्थित अधिकारियों को को महत्वपूर्ण निर्देश दिये गये और तैयारियों के सम्बंध में समीक्षा की गई। इस अवसर पर सूरजपुर रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष श्री बाबूलाल अग्रवाल, श्री भीमसेन अग्रवाल, श्री मुरली मनोहर सोनी, संदीप अग्रवाल, शशिकांत गर्ग, श्री दीपक गुप्ता, श्री संत सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्री विजेन्द्र सिंह पाटले , अपर कलेक्टर श्री जगन्नाथ वर्मा, सर्व एसडीएम व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

नाम परिवर्तन

मैं दीपक कुमार अग्रवाल उम्र 35 वर्ष पिता हीरालाल अग्रवाल जाति-अग्रवाल साकिन सपोस थाना-पिथौरा तहसील-पिथौरा जिला-महासमुन्द (छ.ग.) का हूँ जो कि निम्नांकित कथन शपथ पूर्वक करता हूँ,यह कि मेरे पुत्र तुषार अग्रवाल का जन्म दिनांक 29/10/2019 को डॉ. त्रिपाठी अस्पताल शांति नगर रायपुर में हुआ है। जिसका जन्म प्रमाण पत्र नगर निगम रायपुर से जारी किया गया है। मेरे पुत्र तुषार अग्रवाल के जन्म प्रमाण पत्र में माता का नाम रूखमणी अग्रवाल ऋ्य॥ऽ्ह्ड्ढ तक्र्ढ्ढरु की जगह रानी अग्रवाल तथा पिता का नाम दीपक कुमार अग्रवाल ष्ठश्वश्चड्डद्म ्यरुक्रड्ड तक्र्ढ्ढरु की जगह दिपक अग्रवाल हो गया है।

मेरे पुत्र तुषार अग्रवाल के जन्म प्रमाण पत्र में माता-पिता के नाम में हुए त्रुटि के मेरे पुत्र का आधार कार्ड नहीं बन पा रहा है।

अत: यह शपथ पत्र मेरे पुत्र तुषार अग्रवाल के जन्म प्रमाण पत्र में माता-पिता के नाम में हुए त्रुटि को सुधार कर सही नाम दर्ज कर जारी किये जाने के संबंध मे संबंधित अधिकारी के समक्ष सादर प्रस्तुत है।

शपथकर्ता

आयुक्त सुमित अग्रवाल का नया पारा और गया नगर में औचक निरीक्षण, सफाई व्यवस्था और कचरा प्रबंधन को लेकर दिए सख्त निर्देश

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम दुर्ग के आयुक्त सुमित अग्रवाल ने सोमवार की सुबह अचानक नया पारा और गया नगर क्षेत्र का दौरा किया। इस औचक निरीक्षण के दौरान उन्होंने वार्ड 2, 3, 4, 17 और 18 सहित आसपास के क्षेत्रों की सड़कों, गलियों, नालियों और तालाबों की स्थिति का गहन निरीक्षण किया।शहर की सफाई व्यवस्था, सार्वजनिक सुविधाओं और कचरा प्रबंधन को और मजबूत करना।

सड़क और नालियों की सफाई को दी प्राथमिकता- निरीक्षण में पाया गया कि कई जगह नालियों के किनारे घास उग आई है और गंदगी जमा हो रही है। आयुक्त ने तत्काल सफाई कर्मचारियों को निर्देश दिया कि सभी गलियों और नालियों की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि कहीं भी पानी रुका नहीं रहना चाहिए क्योंकि यह बीमारियों का कारण बन सकता है।

तालाबों और अवैध निर्माण पर सख्ती- आयुक्त श्री अग्रवाल ने विशेष रूप से तालाबों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि तालाब शहर की जलधरोहर हैं और इनके ऊपर किसी भी प्रकार का अवैध निर्माण सहन नहीं किया जाएगा। उन्होंने मौके पर अधिकारियों को निर्देशित किया कि तालाब पर बने सभी अवैध ढांचे तुरंत हटाए जाएं।

ठेले और खोमचों को व्यवस्थित करने की बात- निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने सड़कों पर लगे ठेले और खोमचे पर भी ध्यान दिया। उन्होंने कहा कि इन्हें इस तरह लगाया जाए कि यातायात में बाधा न हो। आमजन को आने-जाने में कोई परेशानी न हो, यह निगम की जिम्मेदारी है।

जीरो वेस्ट सेंटर का निरीक्षण- वार्ड 17 और 18 में स्थित जीरो वेस्ट सेंटर का भी आयुक्त ने निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों और सफाई कर्मचारियों को निर्देशित किया कि गीले और सूखे कचरे का पृथक संग्रहण सख्ती से लागू हो। सभी व्यापारी और दुकानदार अपने प्रतिष्ठान पर दो अलग-अलग डस्टबिन रखें।

आयुक्त श्री अग्रवाल ने कहा कचरा केवल निगम की गाड़ियों को ही दिया जाए और उसका निपटान स्वच्छता दीदी के माध्यम से किया जाए। यदि कोई व्यापारी इन निर्देशों का पालन नहीं करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और नियमानुसार जुर्माना लगाया जाएगा।

सफाई ही होगी निगम की प्राथमिकता- आयुक्त ने कहा कि नागरिकों की सुविधा और स्वच्छ वातावरण निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी वार्डों में नियमित सफाई सुनिश्चित करने, कचरा उठाव समय पर करने और स्वास्थ्य विभाग को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।

इस औचक निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेन्द्र मिश्रा, विनोद मांझी, शोएब अहमद,गौतम साहू सहित निगम के अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

नवधा रामायण पाठ में आज होगा श्रीराम का राज्याभिषेक, हनुमानजी का लगेगा सवामणि का भोग

दुर्ग(समय दर्शन)। राधाकृष्ण मंदिर महेश कॉलोनी में चल रहे नवधा पारायण रामायण पाठ में सोमवार को लगभग 2 हजार से अधिक भक्तों ने एक साथ बैठकर रामायण का पाठ किया। आठवें दिन भक्तों ने अंगद रावण संवाद, लक्ष्मणजी को मूर्छा, श्रीराम का प्रलाप, कुंभकर्ण वध, मेघनाथ वध, रावण वध, अवध को प्रस्थान, भरत हनुमान मिलन, रामजी का भरत और अयोध्यावासियों से मिलन के प्रसंग पर दोहों का पाठ किया। जोधपुर के पं. गोपाल आसोपा और पं. सुशील आसोपा ने श्रद्धालुओं को इन प्रसंगों के पीछे प्रभु श्रीराम के संदशों को भी बताया। मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को नवधा रामायण पारायण पाठ का समापन होगा। इस अवसर पर सुबह 9 बजे सुंदरकांड का पाठ होगा। इसके बाद हनुमानजी को सवामणी भोग लगाया जाएगा। इसके बाद दोपहर 2 बजे से शाम 6.30 बजे रामायण पाठ होगा, जिसमें श्रीराम राज्याभिषेक, भगवान का प्रजा को उपदेश, काग भसुंडी रामायण, काग भूसंडी और लोमश संवाद के प्रसंग पर पाठ किया जाएगा। सोमवार को ही मंदिर परिसर में चल रहे श्रीविष्णु महायज्ञ की पूर्णाहुति हुई। यज्ञाचार्य पं. पवन द्विवेदी व विद्वान पंडितों ने मंत्रोच्चार के साथ हवन, यज्ञ कराया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने यज्ञ मंडप की परिक्रमा की। रामायण पाठ के बाद प्रभु श्रीराम के भजनों पर मगन होकर श्रद्धालु झूमते रहे। आयोजन में पूर्व मंत्री प्रेमप्रकाश पांडे, चंद्रिका चंद्राकर, दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, वैशालीनगर विधायक रिकेश सेन, खैरागढ़ के पूर्व विधायक कोमल जंघेल सहित अन्य विशिष्टजनों व गणमान्य लोगों ने शामिल होकर भगवान श्रीराम की पूजा-अर्चना की।

न्यायालय नजूल अधिकारी, जिला-कबीरधाम. (छ.ग.)

!! ईश्तहार !!

रा.प्र.क्र. 202508082200019-अ/20 (4), वर्ष 2024-25

आवेदक महंत गोविंद दास गुरू स्व. श्री महंत रामबली दास शास्त्री, ग्राम राम्हेपुर तहसील स.लोहारा जिला जिला कबीरधाम द्वारा नजूल नगर कवर्धा स्थित शीट क्र. 11 एबीसी भू-खण्ड क्र. 26 एवं 27 क्षेत्रफल कमश: 1885. 00 1480.00 व.मी. जो नजून संधारण खसरा में हनुमान मंदिर एवं रामजानकी मंदिर सर्वाकार महंत रामबली दास साकिन कवर्धा के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है। धारक सर्वाकौर महंत रामबली दास की मृत्यु दिनांक 12.10.2022 को हो आने से उनके वारिसों का नजूल अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

अतएव नामांतरण 'के संबंध में जिस किसी व्यक्ति एवं संस्था को उजर अथवा आपत्ति हो वे इस न्यायालय में दिनांक 12/9/25 तक स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर मान्य नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 14/8/25 को इस न्यायालय के पद मुद्दा जारी किया गया है।

जारी दिनांक 14/8/2025
पेशी दिनांक 12/9/2025

मुहर

नजूल अधिकारी
कबीरधाम

न्यायालय तहसीलदार पिपरिया (वृत्त दशरंगपुर) जिला-कबीरधाम छ.ग

!! ईश्तहार !!

ई कोर्ट नंबर.202504080800001/अ-6-अ/2024-25

ग्राम-हीरापुर,

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका उत्तराबाई उर्फमंजू पति हरिप्रसाद, निवासी:- हीरापुर, तहसील पिपरिया, जिला कबीरधाम, छत्तीसगढ़ द्वारा अपने नाम एवं स्वामित्व की भूमि ग्राम: हीरापुर, में खसरा नम्बर 352/2 शामिल नम्बर (355/2, 357/1) शामिल खसरा (361/2, 362/2) 494/2, 494/3 रकबा 0.1130, 0.210, 0.392, हेक्टेयर भूमि दर्ज है। आवेदिका द्वारा वर्णित खसरा नम्बर को अपने नाम पर दर्ज कर ऑनलाईन दुरूस्ती करने हेतु अनुविभागीय अधिकारी, राजस्व कवर्धा के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया गया है, जो जांच प्रतिवेदन इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

अतएव उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति अथवा दावा पेश करना हो अथवा आवेदक एवं उनके परिवार के संपत्ति के बारे में जानकारी देना हो तो दिनांक 19.08.2025 को दोपहर 05. 00 बजे तक मेरे न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से दावा आपत्ति पेश अथवा जानकारी प्रदाय कर सकते हैं।

आज दिनांक 08.08.2025 को मेरे न्यायालय की मुंहर एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया ।

मुहर

तहसीलदार पिपरिया
(न्यायालय वृत्त दशरंगपुर)

संक्षिप्त-खबर

सेंट स्टीफेंस माडल स्कूल मे बच्चों ने प्रस्तुत किया रंगारंग कार्यक्रम

बसना (समय दर्शन)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सेंट स्टीफेंस मॉडल स्कूल जगदीशपुर नरसिंहपुर में मुख्य अतिथि डॉ तुषारकांत नायक, गेस्ट ऑफ हॉनर अश्वनी प्रधान , प्राचार्य विजय दास और सहप्राचार्य श्रीमती आशा गुप्ता की उपस्थिति में रंगारंग कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। स्कूल प्रांगण मे आयोजित राष्ट्र ध्वज फहराकर राष्ट्र गीत पश्चात बच्चों ने शाला के प्राचार्य सहित सभी अतिथियों को बैच पहना कर सम्मान किया। उसके उपरांत जगदीशपुर में रैली का आयोजन हुआ, जिसमें बच्चे भारत माता, भीम राव आंबेडकर, झांसी की रानी, महात्मा गांधी, जवाहर लाल नेहरू, सरोजनी नायडू एवं देश के सिपाहियों की वेश भूषा में शामिल हुए। रैली को जगदीशपुर के पंचायत और गणमान्य नागरिकों ने श्रीफल और पुष्प से स्वागत कर उनका उत्साह बढ़ाया। देश भक्ति लोक नृत्य प्रतियोगिता, भाषण, और कविताएं कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण थे। वही डिसप्ले बोर्ड को भी देश भक्ति के संदेशों से सजाया। बच्चों की पेशकश देख पर मुख्य अतिथि ने बच्चों की प्रतिभा में उतरोतर उन्नति बताया। कार्यक्रम के अंत में सभी बच्चों ने मिल कर देश भक्ति गीतों पर एक साथ नृत्य किया।

राष्ट्रीय महासचिव युवा प्रकोष्ठ निखिल सोनी का शपथ

बसना (समय दर्शन)। राष्ट्रीय स्वर्णकार राजनीति भागीदारी मंच के राष्ट्रीय सचिव संजीव कुमार सोनी द्वारा छत्तीसगढ़ प्रांत में संगठन के विस्तार एवं युवाओं को जोड़ने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण नियुक्तियाँ की गईं। संगठन के सामाजिक विकास के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए निखिल सोनी (रायपुर) को राष्ट्रीय महासचिव ङ्क युवा प्रकोष्ठ के रूप में मनोनीत किया गया है। संतोष सोनी को जिला महासमुंद का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। योगेश सोनी (जांजगीर-चांपा) को प्रांतीय प्रवक्ता के रूप में मनोनीत किया गया है। रविवार को, चर स्मार्ट सिटी आवासीय परिसर Raipur में राष्ट्रीय स्वर्णकार राजनीति मंच के राष्ट्रीय सचिव संजीव सोनी ने युवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय महासचिव निखिल सोनी रायपुर सीजी को मनोनयन पत्र देकर पद एवं दायित्व की शपथ दिलाई गयी। कार्यक्रम में सुभाष सोनी उत्तम सोनी एवं आवासीय परिसर के गणमान्य नागरिकों ने निखिल सोनी को बधाई शुभकामनाएँ दी। इसी अवसर में निखिल सोनी द्वारा छोटे बच्चों को मोमेंटो से सम्मानित भी किया गया। संगठन का लक्ष्य छत्तीसगढ़ सहित अन्य प्रदेशों में भी सक्रिय युवाओं एवं महिलाओं को जोड़कर एक सशक्त प्रदेश स्तरीय संगठन का निर्माण करना है। यह कार्य योजनाबद्ध तरीके से जारी रहेगा।

ग्राम कौवाझार में महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम संपन्न

महासमुन्द (समय दर्शन)। महासमुन्द जिला अंतर्गत ग्राम कौवाझार में महिला सशक्तिकरण पर रविवार को एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन उत्साह के साथ किया गया। इस कार्यक्रम में महिलाओं की भूमिका, उनके अधिकारों एवं समाज में उनकी स्थिति को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा की गई।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि समाज सेविका डॉ. एकता लगेह थीं। अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में उन्होंने कहा कि जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि आधुनिक युग में महिला सशक्तिकरण एक अहम मुद्दा है, लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि शक्ति का

स्वरूप होने के बावजूद महिलाएं आज भी अपेक्षित सम्मान और अवसरों से वंचित हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्र की प्रगति तभी संभव है जब महिलाएं स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक रूप से सशक्त हों तथा अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बनें।

कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम पंचायत कौवाझार के सरपंच गेंदराम जांगड़े ने की। वहीं, विशेष अतिथि के रूप में जिला सदस्य प्रतिनिधि श्री अमर चंद्राकर और जनपद सदस्य सुश्री अंजलि जगन्नाथ खैरवार उपस्थित रहे।

डॉ. एकता लगेह ने महिलाओं के स्वास्थ्य पर विशेष जोर दिया और किशोरी बालिकाओं को सेनेटरी पैड का वितरण भी किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं और किशोरियों को स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता और संसाधनों की उपलब्धता जरूरी है।

विशेष अतिथि श्री अमर चंद्राकर ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाएं समाज की धुरी हैं। उन्होंने उपस्थित महिलाओं से आह्वान किया कि वे झांसी की रानी लक्ष्मीबाई जैसी वीरांगनाओं से प्रेरणा लें और जीवन में आत्मनिर्भरता तथा साहस का परिचय दें।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत के पंच, ग्रामीणजन, महिला स्व-सहायता समूह की सदस्याएँ, हेमवती यादव और ममता यादव सहित बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद थीं। कार्यक्रम का संचालन डिजेश्वरी चंद्राकर ने कुशलतापूर्वक किया।

बसना बोहारपार मोड़ पर 42 बैलों की तस्करी करते 5 आरोपी गिरफ्तार

बसना (समय दर्शन)। थाना बसना पुलिस ने बीते दिन बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से बैलों की तस्करी कर उन्हें वध के प्रयोजन से ओडिशा ले जा रहे 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 42 नग बैल, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 2 लाख 10 हजार रुपये बताई जा रही है, जप्त किया है।

मामले का खुलासा थाना बसना में पदस्थ प्र आर संतोष कुमार यादव को मुखबिर से सूचना मिली कि एनएच 53 रोड बोहारपार मोड़ के पास कुछ लोग क्रूरतापूर्वक बैलों को हांकते हुए ओडिशा की ओर ले जा रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर पांचों आरोपियों को पकड़ लिया।

गिरफ्तार आरोपी- (1) महेश्वर साहू (44 वर्ष) निवासी गिरसा, थाना सरसीवा, जिला सारंगढ़

(2) विरेंद्र यादव (25 वर्ष) निवासी गिरसा, थाना सरसीवा, जिला सारंगढ़

(3) दारासिंग कुर्रे (28 वर्ष) निवासी गौराडीपा, थाना सरसीवा, जिला सारंगढ़

(4)ओमप्रकाश साहू (36 वर्ष)

निवासी देवरहा, थाना बिलाईगढ़, जिला सारंगढ़

(5)कृष्णो सिदार (28 वर्ष) निवासी चचरेल, थाना बिलाईगढ़, जिला सारंगढ़।

पुलिस कार्रवाई- आरोपियों से जब बैलों को रखने एवं ले जाने के संबंध में वैध दस्तावेज मांगे गए तो वे प्रस्तुत नहीं कर सके। गवाहों की मौजूदगी में सभी 42 बैलों को जप्त कर थाना लाया गया। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 4, 6, 10 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है। आरोपियों को क्रमश: 13:20 से 13:40 बजे तक गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया में भेजा गया।

जिला स्तरीय खो खो में शास उच्च माध्य विद्या सावित्रीपुर के 7 विद्यार्थियों का चयन

बसना (समय दर्शन)। बसना के शरहद एवं विकासखण्ड पिथौरा के सीमावर्ती शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सावित्रीपुर के 7 होनहार खिलाडियों के खो खो मे चयन होने से क्षेत्र में खुशी का माहौल ह ।

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु शासन के मंशानुरूप शैक्षणिक क्षेत्र के साथ-साथ खेल में भी सहभागिता सुनिश्चित करते हुए शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सावित्रीपुर विकासखंड पिथौरा जिला महासमुंद के सीनियर वर्ग बालक में गिरधारी सुनील सांड जूनियर वर्ग में हेमसागर सीनियर, बालिका वर्ग में नंदिनी ,डीलेश्वरी, टिकेश्वरी निषाद तथा जूनियर बालिका वर्ग में किरण यादव चयनित हुए हैं। संस्था के प्राचार्य पी, सिदार ने कहा का, खेल हमें शारीरिक विकास का अवसर तो उपलब्ध कराता ही है साथ ही साथ अनुशासन, सामूहिक जिम्मेदारी, खेल भावना का विकास भी करता है। उन्होंने संस्था के समस्त चयनित विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की है। संस्था की खेल प्रभारी व्याख्याता श्रीमती सविता जलक्षत्री ने प्रतिभागियों की प्रशंसा की एवं निरंतर खेल में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया ।उनके अनुसार खेल हमें जीवन के प्रति एक सकारात्मक दृष्टिकोण प्रदान करता है, जो हमें आगामी जीवन की चुनौतियों से जूझने में सहायक होता है । खेल जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जो शारीरिक मानसिक एवं सामाजिक विकास में मदद करता है, यह तनाव कम करने, एकाग्रता बढ़ाने और आत्मविश्वास बढ़ाने में भी सहायक है। इसे करियर के रूप में चयन कर राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय स्तर पर करियर बनाया जा सकता है। इस दौरान संस्था के सभी शिक्षक शिक्षिकाओं ने खो खो मे चयनित सभी विद्यार्थियों को उनके चयन पर बधाई व भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी है।

राष्ट्रभाषा बनने की क्षमता हिंदी में है : रघु ठाकुर

राष्ट्रभाषा हिंदी क्या क्यो कैसे समाजवादी नेता रघु ठाकुर का व्याख्यान

दुर्ग(समय दर्शन)। सोमवार 18 अगस्त को सत्यम रेस्टोरेंट बेकरी के हाल के सभागार में एक विमर्श आयोजित किया गया। जिसमें समाजवादी नेता रघु ठाकुर ने कहा कि हिंदी राष्ट्रभाषा क्यो कैसे बनाई गई। इसका विरोध दक्षिण से करने वाले अनेकों नेताओं ने किया। लेकिन गांधी और लोहिया, तिलक और गैर हिंदी भाषी क्षेत्र के लोगों ने हिंदी का समर्थन किया लेकिन आज भी हिंदी हिन्दुस्तान में दोयम दर्जे की भाषा बनी। यूपीएससी की परिक्षा में हिंदी कम है उतनी ही अंग्रेजी ज्यादा है।

समाजवादियों द्वारा हमेशा यह नारा दिया गया हिंदी देश की देशी भाषा की मान्यता हो। अन्य स्थानीय भाषा की तरफ हिंदी भी उस सबकी जुड़वा बहन है। हिंदी का विरोध करना हिन्दुस्तान के विरोध करने के बराबर है। सही मायने में राष्ट्रप्रेम हिंदी भाषा से ही प्रेरित होता है। हिंदी में राष्ट्रप्रेम झलकता है। रघु ठाकुर ने अपने एक व्यक्तव में कहा कि हिंदी हिन्दुस्तान की आत्मा है कोई भी भारतीय नागरिक मन से खेलवाड़ कर सकता आत्मा से नही हिन्दी के इस विमर्श में अध्यक्षत कर रहे है नगर पालिक निगम रिसाली के सभापति श्री केशव बंछोर ने बताया कि पहली बार पता चला कि भाषा के साथ राजनीति होती है। हिंदी के साथ भी उच्च स्तरीय राजनीति हो रही है। समाजवादी गांधी वादी नेता रघु ठाकुर के व्याख्यान को सुनकर नगर निगम के सभापति प्रेरित होकर अपने उद्बोधन में कहा इस तरह की कार्यक्रम बार बार हो जिससे नई पीढ़ि को हिंदी का असलियत का पता चल सके। इस कार्यक्रम में योग लंगर के संस्थापक अशोक महेश्वरी किसानों के मध्य काम करने वाले हर काल दाऊ डॉ. संजय चौधरी, श्रीमती बबिता चौधरी समाजवादी पार्टी भिलाई के अध्यक्ष सुबेदार सिंह यादव, लोकतांत्रिक समाजवादी के अब्दुल फरीद, अरविंद सिंह, दिलीप देशलहरा, योग लंगर के डॉ. एसपी शर्मा जेडयू के नेता अशोक सिंह, सुरेन्द्र शर्मा, श्री नारायणी, लतिफभाई, नागेन्द्र पाण्डेय, स्टेट बैंक के पूर्व प्रबंधक श्रीमती कनकमंडल लियाकत भाई राघवेन्द्र चौहान, आनंद बोरकर, संजय उईके, अंजना भूरे, वरिष्ठ पत्रकार श्री सिंह राजनांदगांव, बसंत भूरे, रमाशंकर अग्रवाल, श्रीमती मंजू सिंह, वरिष्ठ नागरिक रामसेवक शर्मा, सहित दुर्ग भिलाई के वरिष्ठ नागरिक भारी तादात में इस कार्यक्रम में शामिल हुए। इस कार्यक्र का संचालन श्याम मनोहर सिंह ने किया। आभार व्यक्त अशोक पंडा ने किया।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित। संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samaydarshanraipur@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2025-27